संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

# हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
8 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 135
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

## हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 77 प्रतिशत कमी

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

## मोदी ने नक्सलवाद और नीतीश ने जंगलराज खत्म किया : शाह

**जमुई-** केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नक्सलवाद और मुख्यमंत्री नीतीश ने जंगलराज खत्म किया और अब बिहार सुशासन से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

श्री शाह ने आज जमुई जिले में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुये कहा कि एक समय था जब जमुई लाल खून और लाल आतंक से सना हुआ था। उन्होंने कहा कि यही वो जमीन थी जहां नक्सलवादियों ने अपना ठिकाना बनाया था, लेकिन आज नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बिहार से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर दिया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कभी जमुई लाल आतंक और नक्सलवाद का अड्डा था। उन्होंने कहा कि 150 नक्सलियों में धनबाद-पटना एक्सप्रेस को हाईजैक किया और तीन यात्रियों की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि गया, औरंगाबाद और जमुई में नक्सलियों का गहरा दबदबा था, लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व में आज बिहार पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त हो गया है।उन्होंने कहा, पहले बिहार में ऐसे जिले थे जहां डर के माहैल में तीन बजे तक ही मतदान होता था।अब शाम पांच बजे तक वोटिंग चल रही है, क्योंकि डर खत्म हो गया है। नीतीश कुमार ने जंगलराज को समाप्त कर दिया है।

श्री शाह ने लालू-राबड़ी राज पर हमला करते हुये कहा कि ,उन दिनों बारात जाती थी तो उगाही के लिए कट्टा लेकर लोग पहुंचते थे। उन्होंने कहा कि अपहरण, फिरौती और बीस से ज्यादा नरसंहार होता था, यही उस दौर का बिहार था। उन्होंने कहा कि उसी जंगलराज ने बिहार की फैक्ट्रियां और कारोबार बंद करवा दिए और राज्य को गरीबी की तरफ धकेला। गया, औरंगाबाद और जमुई में नक्सलियों का दबदबा था। यह श्री मोदी का ही काम है कि उन्होंने पूरे बिहार से नक्सलवाद को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने 10 साल के अंदर बिहार के हर कोने में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाकर, रोड, पुल, पुलिया, बिजली के कारखाने, गन्ने की फैक्ट्रियां, इथेनॉल और खाद की फैक्ट्रियां लगाकर विकास की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्ष, बिहार को पूरी तरह विकसित राज्य बनाने के वर्ष होंगे।

## सुप्रीम कोर्ट ने 91 वर्षीय पिता से कहा, पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, अपने ऊपर बोझ न लें

**नयी दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए पायलट के 91 वर्षीय पिता से शुक्रवार को कहा कि उनके बेटे को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका बोझ अपने ऊपर नहीं रखना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उनकी याचिका पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, ''आपको अपने ऊपर बोझ नहीं रखना चाहिए। विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह एक दुर्घटना थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है।''

पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल के संबंध में अमेरिकी प्रकाशन वॉल स्ट्रीट जर्नल में एक समाचार लेख छपा था।

पीठ ने जवाब दिया, ''यह केवल भारत को दोषी ठहराने के लिए घटिया रिपोर्टिंग थी।'' पीठ ने 12 जुलाई को जारी विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट का एक पैराग्राफ पढ़ा और कहा कि इसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी ठहराया जाना चाहिए और इसमें केवल विमान के दो पायलटों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख है।

उसने कहा, ''एएआईबी जांच का दायरा दोषारोपण करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए निवारक उपाय सुझाना है। यदि आवश्यक हुआ तो हम स्पष्ट कर देंगे कि पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।''

## खड़गे ने रैली में विलंब से पहुंचने के लिए PM मोदी को ठहराया जिम्मेदार, बोले- हेलीकॉप्टर उड़ने नहीं दिया गया

**रोहतास-** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को बिहार के रोहतास में अपनी चुनावी सभा में देर से पहुंचने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया। खड़गे की सभा रोहतास के चेनारी में थी और वह वहां विलंब से पहुंचे।

उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि साथियों मैं समय से नहीं पहुंच सका क्योंकि मोदी जी काम में रुकावट डालते हैं। उनकी वजह से हमारे हेलीकॉप्टर को गया से उड़ने नहीं दिया गया।

## बांका में बोले राहुल गांधी- हरियाणा में 'वोट चोरी' की गई, अब बिहार में कोशिश जारी

**बांका (बिहार):** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में ''वोट चोरी'' की थी और अब बिहार में भी वैसा ही करने की कोशिश कर रही है।

बिहार के बांका में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि ''मोदी और अमित शाह ने हरियाणा का चुनाव चुरा लिया और चुनाव आयोग इस पर आंखें मूंदे बैठा है।''

उन्होंने कहा, "हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 29 लाख फर्जी मतदाता हैं। ब्राजील की एक महिला का नाम मतदाता सूची में कई बूथ पर था। मैंने इसके सबूत भी पेश किए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि "भाजपा नेताओं ने दिल्ली में मतदान करने के बाद बिहार में भी वोट डाला है। भाजपा ने यही काम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में किया, और अब बिहार में भी वही दोहराने की कोशिश कर रही है। लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं होने देगी।" कांग्रेस नेता ने भाजपा पर उद्योगपतियों के हित में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा, "वे अदाणी और अंबानी के लिए वोट चोरी करते हैं। अमित शाह बिहार आकर कहते हैं कि यहां उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है, लेकिन अदाणी के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। भाजपा और नीतीश कुमार मिलकर अदाणी को जमीन दे रहे हैं।" उन्होंने कहा, "मोदी सरकार ने बिहार की सभी उद्योग इकाइयां बंद कर दीं ताकि अदाणी और अंबानी को फायदा हो। हम चाहते हैं कि बिहार में उद्योग और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां लगें।"

# 58,962 सरकारी नौकरियाँ ईमानदारी से दीं, अब नौजवान अपनी नौकरी ईमानदारी से निभाएँ — मुख्यमंत्री भगवंत मान

**हिन्द जनपथ**
**अमृतसर(ब्यूरो)।** युवाओं को रोजगार देने के अभियान को जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज पंजाब राज्य विद्युत निगम में भर्ती हुए 2105 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे, जिससे अब तक कुल 58,962 सरकारी नौकरियाँ युवाओं को दी जा चुकी हैं।

चौथे पातशाह श्री गुरु राम दास जी द्वारा वसाई पवित्र नगरी अमृतसर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह के दौरान नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोज़गारी कई सामाजिक समस्याओं की जड़ है, इसलिए राज्य सरकार का पूरा ध्यान इसे समाप्त करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अपने पदभार ग्रहण करने के लगभग साढ़े तीन वर्षों के भीतर सरकार ने 58,962 सरकारी नौकरियाँ दी हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आज पीएसपीसीएल और पीएसटीसीएल में 2023 लाइनमैन, 48 इंटरनल ऑडिटर्स और 35 रेवेन्यू अकाउंटेंट्स को नियुक्ति पत्र दिए गए। अप्रैल 2022 से अब तक इन दोनों निगमों में कुल 8984 नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी क्योंकि राज्य सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर सबसे अधिक ध्यान दे रही है। उन्होंने गर्व से कहा कि सभी पदों पर नियुक्तियाँ पूरी तरह मेरिट के आधार पर और बिना किसी सिफ़ारिश के की गई हैं।

भगवंत सिंह मान ने कहा, "पिछली सरकारों के समय युवाओं को केवल पैसे और सिफ़ारिश के आधार पर नौकरी मिलती थी, पर हमने इस प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। अब पंजाब में केवल मेरिट के आधार पर नौकरी दी जाती है, और इसीलिए अब तक एक भी नियुक्ति अदालत में चुनौती का सामना नहीं कर पाई है।"

बाबा साहिब डॉ. भीमराव अंबेडकर का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महान नेता ने कठिनाइयों का सामना कर शिक्षा प्राप्त की और जीवन में ऊँचाइयों को छुआ। उन्होंने कहा कि हर युवा को डॉ. अंबेडकर के जीवन और दर्शन से प्रेरणा लेकर सफलता की ओर बढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नए नियुक्त हुए युवा सरकार का अभिन्न अंग बन चुके हैं और उन्हें मिशनरी जोश के साथ जनता की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी कलम का उपयोग समाज के गरीब और वंचित वर्गों की सहायता के लिए करें।

उन्होंने कहा कि जैसे रनवे विमान की उड़ान में मदद करता है, वैसे ही राज्य सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए सहायक बनेगी। मुख्यमंत्री ने भावुक होकर कहा, "विहला मन, शैतान का घर होता है। इसलिए हम अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार देना चाहते हैं ताकि वे सामाजिक बुराइयों से दूर रहें।"

बिजली क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार आई थी, तब पावरकॉम भारी कर्ज़ में डूबी थी। हमने पावरकॉम का 2000 करोड़ रुपये का कर्ज़ चुकाया है। जुलाई 2022 से 90% घरों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिससे अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। कोयले की निर्बाध आपूर्ति के लिए हमने पछवाड़ा कोल माइंस को चालू करवाया, जिससे अब पंजाब में कोयले की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने बताया कि गोइंदवाल साहिब स्थित जीवीके कंपनी का थर्मल प्लांट सरकार ने 1080 करोड़ रुपये में खरीदा, जिसका नाम तीसरे पातशाह श्री गुरु अमरदास जी के नाम पर रखा गया है। यह पंजाब के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी सरकार ने निजी संपत्ति खरीदी हो, जबकि पिछली सरकारें अपने चहेतों को सरकारी संपत्तियाँ सस्ते दामों पर बेच देती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें पंजाब को कर्ज़ में डुबाने के लिए ज़िम्मेदार हैं। हमें विरासत में 2.75 लाख करोड़ रुपये का कर्ज़ मिला, लेकिन विकास पर उसका उपयोग नहीं हुआ। अब हमारी सरकार हर पैसा पंजाब के विकास और जनता की भलाई पर खर्च कर रही है।

## विश्व कप विजेता पंजाबी बेटियों का मोहाली पहुंचने पर पंजाब सरकार ने किया शानदार स्वागत

**हिन्द जनपथ**
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)।** महिला क्रिकेट में भारत के लिए पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम की दो पंजाबी खिलाड़ियों, हरलीन देओल और अमनजोत कौर का आज वतन वापसी पर पंजाब सरकार द्वारा यहां शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से शानदार स्वागत किया गया।

### मंत्रियों और विधायकों ने बढ़ाया बेटियों का मान

इस अवसर पर पंजाब सरकार की ओर से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर विशेष रूप से खिलाड़ियों का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पहुंचे। उनके साथ विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा, जिला योजना बोर्ड की चेयरपर्सन प्रभजोत कौर, जसवंत कौर और पार्षद सरबजीत सिंह समाणा भी मौजूद रहे। हवाई अड्डे पर जश्न का माहौल देखने को मिला, जहां पंजाब सरकार, जिला प्रशासन और खेल विभाग द्वारा ढोल की थाप और फूलों के हार पहनाकर विजेता बेटियों का सम्मान किया गया।

### सरकार द्वारा विशेष सम्मान का ऐलान

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले ही वीडियो कॉल के जरिए टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, हरलीन देओल और अमनजोत कौर को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी थी। हरपाल सिंह चीमा और मीत हेयर ने कहा कि हमारी इन बेटियों ने न सिर्फ पंजाब, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने घोषणा की कि कप्तान हरमनप्रीत कौर के पंजाब लौटने के बाद पंजाब सरकार द्वारा तीनों खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

## कुत्तों के काटने के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- अस्पताल, स्कूल, स्टेशन से जानवरों को हटाया जाए

**नई दिल्ली-** सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक केंद्रों, अस्पतालों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाओं में ''खतरनाक वृद्धि'' का शुक्रवार को संज्ञान लिया और प्राधिकारियों को ऐसे कुत्तों को निर्दिष्ट आश्रय स्थलों में ले जाने का निर्देश दिया। न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सहित सभी प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि राजमार्गों और एक्सप्रेसवे से आवारा पशुओं और मवेशियों को हटाया जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की विशेष पीठ ने आवारा कुत्तों के मामले में कई निर्देश पारित किए।

पीठ ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों, डिपो और रेलवे स्टेशनों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाओं में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए यह न्यायालय आवारा कुत्तों के प्रबंधन, जन सुरक्षा और स्वास्थ्य के हित में निम्नलिखित निर्देश जारी करना उचित समझता है। उसने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने-अपने स्थानीय या नगरपालिका प्राधिकारियों के माध्यम से दो सप्ताह के भीतर ऐसे संस्थानों की पहचान करने का निर्देश दिया। परिसर में पर्याप्त बाड़, चारदीवारी, द्वारों और ऐसे अन्य संरचनात्मक उपायों का प्रबंध सुनिश्चित किया जाए जो आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए आवश्यक हों।

उसने कहा कि यह कार्य जल्द से जल्द किया जाए और बेहतर होगा कि इसे आठ सप्ताह के भीतर पूरा किया जाए।

# वंदे मातरम को तोड़ने वाली विभाजनकारी सोच अभी भी देश के लिए चुनौती है: मोदी

**नयी दिल्ली** – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस का नाम लिए बिना शुक्रवार को कहा कि एक विभाजनकारी सोच ने 1937 में राष्ट्र निर्माण के महामंत्र वंदे मातरम के कुछ अंशों को निकालकर तोड़ दिया था और वंदे मातरम के इस विभाजन ने देश के विभाजन के भी बीज बो दिये थे।

उन्होंने देशवासियों विशेष रूप से युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि यह विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है और इससे सावधान रहने की जरूरत है।

श्री मोदी ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां आयोजित स्मरणोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक स्मारक सिक्का तथा स्मारक डाक टिकट जारी किया और वंदे मातरम को समर्पित पोर्टल की भी शुरूआत की। केन्द्र सरकार ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर को मनाने के लिए साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की घोषणा की है। ये कार्यक्रम

अगले एक वर्ष तक पांच चरणों में आयोजित किए जायेंगे।

श्री मोदी ने आजादी से लेकर अब तक वंदे मातरम की देश निर्माण में महत्वपूर्ण यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वंदे मातरम से जुड़ा एक और विषय है जिसकी चर्चा करना उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा' आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम की भावना ने पूरे राष्ट्र को प्रकाशित किया था। लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण पदों को ,उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। वंदे मातरम को तोड़ दिया गया था । उसके टुकडे किये गये थे। वंदे मातरम के इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बो दिये थे। राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ । ये आज की पीढी को भी जानना जरूरी है क्योंकि वही विभाजनकारी सोच विभाजनकारी सोच देश के लिए आज भी चुनौती बनी हुई है।'

उन्होंने जोर देकर कहा कि हम सब को मिलकर इस सदी को भारत की सदी बनाना है। उन्होंने कहा,' यह सामर्थ्य भारत में है। हमें इसके लिए खुद पर विश्ववास करना है।'

उन्होंने नकारात्मक सोच वाले लोगों से सतर्क रहने का आह्वान करते हुए कहा कि इनकी शंका पैदा करने की कोशिश को नाकाम करना होगा। उन्होंने कहा कि नकारात्मक सोच वाले लोग शंका पैदा करने की कोशिश करेंगे । इस सोच से निपटने के लिए हमें आनंदमठ के प्रकरण को ध्यान में रखकर कदम उठाना होगा। उन्होंने कहा,' भारत माता की 140 करोड संतान और उनकी 280 करोड भुजाएं हैं । हमारे लिए कुछ भी असंभवन नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूरा करना सबका संकल्प होना चाहिए।'

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए श्री मोदी ने कहा कि हर रचना एक मूल संदेश होता है, मूल भाव होता है और वंदे मातरम का मूल भाव भारत और मां भारती है।

# वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर हरियाणा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

**हिन्द जनपथ**
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)।** भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज हरियाणा में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि प्रदेश के अन्य कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने जिला स्तरीय कार्यक्रमों में शामिल होकर इस ऐतिहासिक अवसर को गरिमा प्रदान की।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा 'वंदे मातरम्' गीत के इतिहास पर एक आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें गीत की रचना, उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उसके योगदान से जुड़ी जानकारी और चित्र प्रदर्शित किए गए। विद्यार्थियों और नागरिकों ने बड़ी उत्सुकता से इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया और राष्ट्रीय गीत की गौरवशाली यात्रा के बारे में जाना। इस अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण के माध्यम से प्रेरणादायक संबोधन भी सुना गया।

### वंदे मातरम केवल गीत नहीं, हमारी मातृभूमि की आत्मा है जिससे हमें स्वतंत्रता, एकता और त्याग की मिलती है प्रेरणा: मंत्री कृष्ण लाल पंवार

राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को सोनीपत में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रदेश के पंचायती राज मंत्री कृष्ण लाल पंवार व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल कौशिक ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के पंचायती राज मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं बल्कि यह हमारी मातृभूमि की आत्मा है, जो हमें स्वतंत्रता, एकता और त्याग की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1875 में इस गीत की रचना उस समय की थी जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का प्रथम प्रकाशन उपन्यास आनंदमठ में हुआ था, जिसने स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को प्रज्वलित किया। यह गीत सुनकर उस समय के युवा क्रांतिकारी जोश से भर उठे थे और यही गीत स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा बना।

### राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम आज़ादी की लौ और एकता का रहा प्रतीक: शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गौरवपूर्ण 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पानीपत में शुक्रवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जब वंदे मातरम गीत लिखा गया था, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, परंतु इस गीत ने देशवासियों में स्वाधीनता का संकल्प जगाया। वंदे मातरम वह शस्त्र था जिसने आज़ादी के परवानों को एक सूत्र में बांधा था।

### वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा: रणबीर सिंह गंगवा

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिसार में शुक्रवार को जिला स्तरीय स्मरण उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा और विशिष्ट अतिथि डॉ. कमल गुप्ता ने मां सरस्वती और भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की आत्मा, हमारी अस्मिता और हमारी संस्कृति का प्रतीक है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह गीत हमारे स्वाधीनता संग्राम की प्रेरणा रहा है। जब बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के दिन इस गीत की रचना की थी, तब उन्होंने केवल कविता नहीं लिखी थी, बल्कि एक ऐसी चेतना का संचार किया था, जिसने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारतवासियों के हृदय में आज़ादी की ज्वाला प्रज्वलित कर दी।

### वंदे मातरम् सम्पूर्ण भारत की आत्मा, चेतना और वीरता का प्रतीक : कृष्ण कुमार बेदी

सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि "वंदे मातरम्" केवल दो शब्द नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत की आत्मा, चेतना और वीरता का प्रतीक है। जब-जब विदेशी शासन की बेड़ियाँ भारी हुईं, तब-तब "वंदे मातरम्" के उद्घोष ने स्वतंत्रता सेनानियों के मन में नई ऊर्जा और साहस का संचार किया।

## चिट्टे के खिलाफ अभियान को बनाया जाएगा जन आन्दोलन- मुख्यमंत्री

**शिमला।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में चिट्टे के खिलाफ अभियान को जन आन्दोलन बनाया जाएगा। इस आन्दोलन में प्रदेश के हर व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करना अत्यन्त आवश्यक है। वह आज यहां 15 नवम्बर, 2025 को शिमला में आयोजित की जाने वाली एंटी चिट्टा वॉकथॉन की तैयारियों के लिए आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वॉकथॉन में हिस्सा लेने के लिए 'बार कोड' स्कैन से पंजीकरण किया जा सकता है। वॉकथॉन के दौरान रिज से चौड़ा मैदान तक विभिन्न प्रकार की जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि वॉकथॉन में युवा, छात्र और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग हिस्सा लेंगे।

श्री सुक्खू ने सम्बन्धित विभागों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए तत्परता के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिट्टा के खिलाफ 15 नवम्बर से आरम्भ होने वाला यह अभियान आगामी तीन माह तक चलेगा। यह चिट्टा के खिलाफ प्रदेश सरकार की निर्णायक लड़ाई होगी। चिट्टा के कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा क्योंकि प्रदेश सरकार चिट्टा के समूल नाश के लिए वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्तरीय एंटी चिट्टा वॉकथॉन के पश्चात् जिला स्तर और उप-मंडल स्तर पर भी चिट्टा के खिलाफ विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इन आयोजनों में मंत्रिमंडल के सदस्य, सभी विधायक और समाज के गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे।

पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने वॉकथॉन के आयोजन को लेकर तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्य सचिव संजय गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्याम भगत नेगी, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, ओएसडी गोपाल शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शिमला में उपस्थित थे जबकि विभिन्न जिलों के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

## जगत सिंह नेगी 08 नवम्बर को सोलन ज़िला के प्रवास पर

**सोलन।** राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी 08 नवम्बर, 2025 को सोलन ज़िला के प्रवास पर आ रहे हैं।

जगत सिंह नेगी 08 नवम्बर, 2025 को दोपहर 12.00 बजे हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम लि. (एच.पी.एम.सी.) परवाणू का निरीक्षण करेंगे।

## जिला रेडक्रॉस सोसाइटी की आम बैठक 10 नवम्बर को

**धर्मशाला,** जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव ओपी शर्मा ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में रेडक्रॉस सोसाइटी की आम बैठक 10 नवम्बर, 2025 को प्रातः 11:00 बजे उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला के सभागार (कक्ष संख्या 823) में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा संगठन के कार्यों की प्रगति और आगामी योजनाओं पर चर्चा होगी। ओपी शर्मा ने जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे इस बैठक में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

## 143 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 11 नवम्बर को

**सोलन।** पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के लिए पार्ट टाइम आया व हेल्पर के कुल 143 पदों की भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 11 नवम्बर, 2025 को ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी।

जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पद मैसर्ज़ साईं राम सिक्योरिटी एण्ड प्लेसमेंट सर्विस शिमला द्वारा ज़िला सोलन के कण्डाघाट, कुठाड़ व धुन्धन शिक्षा खण्डों के राजकीय विद्यालयों में आउटसोर्स आधार पर भरे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं व आयु 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं।

ज़िला रोज़गार अधिकारी ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी दस्तावेज़ जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, 10वीं प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक, पास पोर्ट साइज 02 फोटोग्राफ तथा अन्य प्रमाण पत्रों सहित ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में 11 नवम्बर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 90343-81506 व 82191-13461 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

## बंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राजभवन में विशेष कार्यक्रम आयोजित

**शिमला।** राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आज राजभवन, शिमला में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की उपस्थिति में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजभवन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना का जश्न मनाते हुए वंदे मातरम का भावपूर्ण गायन किया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 'वंदे मातरम' भारत माता के प्रति प्रेम, श्रद्धा और अटूट भक्ति का एक अनंत गान है। उन्होंने कहा कि यह गीत प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रवाद की ज्योति प्रज्वलित करता रहता है। राज्यपाल ने सभी से राष्ट्रीय गीत सार को आत्मसात करने और एक मजबूत, एकजुट और विकसित भारत के निर्माण के सामूहिक लक्ष्य के लिए स्वयं को समर्पित करने का आग्रह किया।

# हमें स्थानीय भाषाओं और बोलियों पर होना चाहिए गर्व: मोहित रत्न

## धर्मशाला में मनाया गया पहाड़ी दिवस

**धर्मशाला,** भाषा एवं संस्कृति विभाग, कांगड़ा द्वारा पहाड़ी दिवस-2025 के अवसर पर आज धर्मशाला स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कन्या) में जिला स्तरीय स्कूली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए एसडीएम मोहित रत्न ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत उसकी विभिन्न स्थानीय बोलियों में निहित है। इस विरासत का संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक हिमाचली का कर्तव्य है।

एस.डी.एम. ने कहा कि हमें अपनी स्थानीय भाषाओं और बोलियों पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जर्मनी जैसे देशों में लोग अपनी भाषा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं वहीं हमें भी अपनी मातृभाषा और बोलियों के प्रति गर्व और अपनत्व की भावना रखनी चाहिए।

कार्यक्रम के अंतर्गत पहाड़ी भाषा का संवर्धन एवं बोलियों का संरक्षण विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही जिले के पारम्परिक परिधान, आभूषणों एवं त्यौहारों पर आधारित निबंध लेखन प्रतियोगिता, तथा स्थानीय मुहावरों, लोकोक्तियों एवं पहेलियों पर आधारित लेखन प्रतियोगिता भी करवाई गई।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए जिला भाषा अधिकारी अमित गुलेरी ने बताया कि प्रतियोगिताओं में धर्मशाला क्षेत्र के लगभग 25 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषा विभाग की ओर से विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता ठाकुर को भी सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में युगल किशोर डोगरा, अश्विनी दीवान और अशोक कुमार उपस्थित रहे।

भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएं अपने आप में बहुत ही सार्थक प्रयास रहा जिस में छात्रों ने उत्साहपूर्वक कांगड़ी भाषा में भाषण प्रतियोगिता निबन्ध प्रतियोगिता एवं लोकोक्तियों व पहेलियों लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में भाषण प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सकोह के दलजीत सिंह ने प्रथम स्थान, राजकीय उच्च पाठशाला कोतवाली बाजार की रिद्विमा ने द्वितीय स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाडी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तंगरोटी की अंशिका ने प्रथम स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जदरांगल की शानवी चैधरी ने द्वितीय स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टंग नरवाणा की महक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कांगड़ी पहेलियां लेखन प्रतियोगिता में राजकीय उच्च पाठशाला कोतवाली बाजार की रिया ने प्रथम स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जदरांगल की प्रियंका द्वितीय स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाड़ी की अक्षरा कपूर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर सभी विजेता विद्यार्थियों को विभाग की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला भाषा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों और विद्यालयों का आभार व्यक्त किया।

## विस के शीतकालीन सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

**धर्मशाला,** उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने धर्मशाला में 26 नवम्बर से 5 दिसम्बर, 2025 तक आयोजित होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र के लिए उचित प्रबंधों और व्यवस्थाओं को लेकर आज को उपायुक्त कार्यालय में जिला प्रशासन और सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एडीसी विनय कुमार, एडीएम शिल्पी बेक्टा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर बहादुर, एसडीएम मोहित रत्न, सहायक आयुक्त जगदीप कंवर सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दृष्टिगत विधानसभा सत्र के सफल संचालन हेतु अपनी जिम्मेदरियां सुनिश्चित कर समय से अपनी तैयारियां पूरी कर लें।

बैठक में विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम और विधानसभा सदस्यों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के ठहरने, यातायात प्रबंधन, पेयजल एवं बिजली आपूर्ति, खानपान, स्वास्थ्य और स्वच्छता व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक प्रबंधों को लेकर चर्चा की गई। हेमराज बैरवा ने सत्र के दौरान कानून व्यवस्था के साथ-साथ ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए समुचित प्रबंध करने को कहा। उन्होंने कहा कि सत्र में भाग लेने आने वाले अतिथियों के ठहरने और खाने इत्यादि भी उचित व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर विधानसभा परिसर तथा इसके आसपास पार्किंग इत्यादि के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने विधानसभा सत्र के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को विधान सभा परिसर, जोनल अस्पताल धर्मशाला और टाण्डा मेडिकल कालेज में विशेष इंतजाम रखने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान लोक निर्माण, जल शक्ति, विद्युत, पुलिस, पर्यटन, स्वास्थ्य, सूचना एवं जन सम्पर्क, अग्निशमन, परिवहन सहित अन्य विभागों से जुड़े तमाम प्रबंधों की भी जानकारी ली एवं सम्बंधित अधिकारियों को अपने विभागों से जुड़ी सभी तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश दिये।

# राज्यपाल ने विद्यार्थियों से सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया

**शिमला।** राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने विद्यार्थियों से खुद पर विश्वास करने, असीमित सपने देखने और सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल अवसरों का लाभ उठाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी आंतरिक शक्ति और क्षमता को साकार करने के बारे में है।

राज्यपाल आज सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला द्वारा आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'सिम्फोरिया 2025' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं है बल्कि प्रतिभा, रचनात्मकता और सशक्तिकरण का उत्सव है जो इस शैक्षणिक संस्थान की गौरवशाली विरासत को दर्शाता है। वर्ष 1904 में अपनी स्थापना के बाद महिला शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सेंट बीड्स कॉलेज की सराहना करते हुए राज्यपाल ने इसे उत्तर भारत में शिक्षा और प्रगतिशील विचारों का एक प्रकाश स्तंभ बताया। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ छात्राओं में चरित्र, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए कॉलेज प्रशासन की सराहना की।

सिम्फोरिया 2025 के प्रमुख विषयों जैसे लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण जागरूकता, भारतीय ज्ञान प्रणाली और संस्कृति एवं विविधता पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि ये वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के बिना कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकता, जबकि पर्यावरण जागरूकता और भारतीय ज्ञान प्रणाली सतत विकास और सांस्कृतिक पहचान की नींव रखते हैं।

श्री शुक्ल ने कहा कि युवा महिलाएं आधुनिक भारत की नई पहचान का प्रतिनिधित्व करती हैं। उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता और दूरदर्शिता राष्ट्र के भविष्य को आकार देगी। महिला क्रिकेट विश्व कप में भारत की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि हिमाचल की बेटी रेणुका ठाकुर ने इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राज्य का नाम रोशन किया। उन्होंने कहा कि चाहे खेल हो, शिक्षा हो या सशस्त्र बल, हिमाचल की बेटियां आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं और हमें उन पर बहुत नाज है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी अवलोकन किया और उनकी सराहना की।

कॉलेज की प्रधानाचार्या सिस्टर रोज़ली ने राज्यपाल का स्वागत किया और उन्हें सिम्फोरिया 2025 की विस्तृत जानकारी दी।

राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, जिला प्रशासन के अधिकारी, संकाय सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

# एसजेवीएन ने सामूहिक गायन के साथ 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मनाई

**शिमला:** श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के मार्गदर्शन में, एसजेवीएन ने आज शिमला स्थित अपने कारपोरेट मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन का आयोजन करके इसकी 150वीं वर्षगांठ मनाई। इस कार्यक्रम में श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) एसजेवीएन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एसजेवीएन ने अखिल भारत में अपनी सभी परियोजनाओं और कार्यालयों में सामूहिक गायन का आयोजन करके वर्ष भर चलने वाले इस समारोह की शुरुआत की।

इस ऐतिहासिक अवसर पर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली से राष्ट्र को संबोधित किया तथा इस कार्यक्रम का एसजेवीएन कर्मचारियों के लिए सीधा प्रसारण किया गया। श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम का सामूहिक गायन एक गहन अनुभव है, जो एकता, साहस और गौरव की प्रेरणा देता है। माननीय प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल देते हुए कहा कि ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है, जिसे भारत हासिल न कर सके। उन्होने यह भी कहा कि यह समारोह सभी नागरिकों में नई ऊर्जा और गौरव का संचार करेगा तथा राष्ट्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

इस अवसर पर, श्री अजय कुमार शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम हमारे राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। आज हम एक ऐसे क्षण के साक्षी बन रहे हैं, जो भारत की आत्मा से गहराई से जुड़ा एक भावनात्मक उत्सव है। यह पहल भारत सरकार द्वारा दिनांक 7 नवंबर, 2025 से 7 नवंबर, 2026 तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रव्यापी समारोहों का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, गौरव और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, एसजेवीएन लिमिटेड इस महत्वपूर्ण अवसर पर राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करेगा।

## 15 सूत्रीय कार्यक्रम की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार की अध्यक्षता में हुई विस्तृत चर्चा

**धर्मशाला,** 15 सूत्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन के उद्देश्य से गत सायं जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय के सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की स्थिति एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि 15 सूत्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्रदान करना है। जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि हर विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करे और योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुँचे। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए और आगामी समीक्षा बैठक तक सभी विभाग अपने लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है, जिसमें शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक सशक्तिकरण, आवास, सामाजिक सद्भाव और सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को समाहित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और त्वरित ढंग से पहुँचना चाहिए।

बैठक में अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को शिक्षा, आंगनवाड़ी केन्द्रों में अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा सुविधाएं, उर्दू भाषा के संरक्षण और प्रोत्साहन हेतु विद्यालयों में उर्दू पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति, उच्च शिक्षा विभाग ने उर्दू विषय की पढ़ाई, मदरसा शिक्षा, छात्रवृत्ति योजनाएं एवं आर्थिक सशक्तिकरण, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को वित्तीय सहायता और ऋण योजनाओं का लाभ प्रदान करने, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सामाजिक सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बारे चर्चा की गई।

# पूर्व महापौर देवेंद्र जग्गी ने की राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में शिरकत

**धर्मशाला,** हिमाचल स्कूल खेल संघ द्वारा आयोजित 40वीं राज्य स्तरीय वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता (अंडर-14, माध्यमिक, उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक स्तर) का समापन समारोह आज धर्मशाला के एथलेटिक्स ट्रैक मैदान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर धर्मशाला नगर निगम के पूर्व महापौर देवेंद्र जग्गी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

उन्होंने कहा कि खेल जीवन का सबसे सुंदर विद्यालय है, जहाँ हार ही हमें सिखाती है और जीत की ओर बढ़ना। मैदान में गिरकर उठना, फिर से प्रयास करना ही असली जीत होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे सिर्फ पदक जीतने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ खेलने की भावना से आगे बढ़ें। देवेन्द्र जग्गी ने कहा कि जरूरी है कि खिलाड़ी खुद पर भरोसा रखें, अपने अध्यापकों और कोच का सम्मान करें और हर अभ्यास को अपने सपनों की सीढ़ी समझें।

उन्होंने प्रतिभागियों के हौसले की सराहना करते हुए कहा कि छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी प्रतिभाएँ सामने आ रही हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, क्योंकि खेलों से न केवल शारीरिक विकास होता है बल्कि मानसिक दृढ़ता भी बढ़ती है।

मुख्य अतिथि देवेंद्र जग्गी ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए और उन्हें निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर एसडीएम भोरंज शशिपाल शर्मा, उप निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा अजय समयाल, प्रधानाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) यशपाल मनकोटिया, सहायक निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा संजय ठाकुर सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों के अध्यापक उपस्थित थे।

## आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

## न्यूज डायरी

### एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में हरियाणा के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

**महेंद्रगढ़** । भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को हरियाणा सरकार ने रबी, 2025-26 सीजन के लिए अंबाला, गुरुग्राम, करनाल, जींद, महेंद्रगढ़, हिसार और सोनीपत जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसानों को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए उन्हें क्लेम दिया जाएगा।इस योजना में फसल चक्र के सभी चरणों के लिए बीमा कवरेज दिया जाता है, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद हरियाणा सरकार के कृषि विभाग से स्वीकृत हैं। अंबाला, गुरुग्राम, करनाल, जींद, महेंद्रगढ़, हिसार और सोनीपत जिलों के किसान अपने जिले में स्थित बैंकों, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट से संपर्क करके ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत इंश्योरेंस कवरेज का लाभ पा सकते हैं। इंश्योरेंस कवर प्राप्त करने के लिए वैधता की अवधि का विवरण कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

### उपायुक्त ने दिए निर्देश, गंभीरता से व तय समय सीमा में समस्याओं का करें निपटान

**पंचकूला**– उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में दिए निर्देश समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करें सभी अधिकारी, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त समाधान शिविर की समस्याओं की आज समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होने कहा कि 60 दिनों से अधिक पुरानी शिकायतों व लंबित तथा रि-ओपन शिकायतों का त्वरित गति से समाधान करें अधिकारी ताकि आमजन को परेशानी का सामना न करना पडे। उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री की मन्शा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम कालका संयम गर्ग, नगराधीश जागृति, डीएफएससी नितिन सिंगला, डीडीपीओ विशाल पराशर, जिला राजस्व अधिकारी कुलदीप सिंह, तहसीलदार कालका विवेक गोयल, बीडीपीओ विनय प्रताप, जन स्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, सिंचाई, खेल विभाग, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, जिला समाज कल्याण अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग,एचएसवीपी, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

### हिसार में पुलिस सब इंस्पेक्टर की पीट-पीट कर हत्या, हुड़दंगियों ने किया हमला

**हिसार**– हरियाणा पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर रमेश कुमार (57) की हिसार शहर के श्यामलाल धानी इलाके में उनके ही घर के बाहर हुड़दंगियों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात बुधवार देर रात करीब 12 बजे की है। रमेश कुमार एडीजीपी (हिसार रेंज) कार्यालय में तैनात थे। उन्होंने रात में कुछ युवकों को अपने मोहल्ले में शराब पीते और शोर मचाते हुए देखा। उन्होंने उन्हें ऐसा करने से रोका और वहां से जाने को कहा। बताया जा रहा है कि युवक थोड़ी देर बाद लौटे और घर के बाहर खड़े होकर गालियां देने लगे। जब रमेश कुमार घर से बाहर आए तो उन पर ईंटों और डंडों से हमला कर दिया गया। गंभीर चोट लगने से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हमलावर वहां से फरार हो गए, लेकिन एक कार और दो दोपहिया वाहन मौके पर छोड़ गए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है।

# पंचकूला में देशभक्ति के उल्लास और गौरव के साथ मनाई गई राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" की 150वीं वर्षगांठ



**हिन्द जनपथ**
**पंचकूला (ब्यूरो)**।माँ भारती को समर्पित देशभक्ति और आध्यात्मिकता से ओतप्रोत राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय समारोह इंद्रधनुष ऑडिटोरियम, सेक्टर-5 में देशभक्ति के उल्लास के साथ मनाया गया।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा और हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने परंपरागत दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पूर्व उन्होने आडिटोरियम में लगाई गई 'वंदे मातरम -भारत के स्वतंत्रता संग्राम का आहवान' प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और उपस्थित लोगों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नई दिल्ली से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाईव संबोधन देखा और सुना।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने जिला स्तरीय समारोह को मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह दिन उस भावनात्मक यात्रा का प्रतीक है जिसने भारत माता को "वंदे मातरम" के माध्यम से हमारी आत्मा से जोड़ा। आज जब हम इस गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने का पावन पर्व मना रहे हैं, तो हम केवल एक रचना का नहीं, बल्कि एक संस्कृति, एक चेतना और एक संकल्प का उत्सव मना रहे हैं।

उन्होने कहा कि यह गीत स्वतंत्रता सेनानी बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी की अद्भुत प्रतिभा, राष्ट्रप्रेम और आस्था का परिणाम है। उनके शब्दों ने उस दौर में हर भारतीय के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की, जब बोलना भी अपराध था।

उन्होने कहा कि यह गीत हमें याद दिलाता है कि भारत केवल भूगोल का एक नक्शा नहीं, बल्कि एक जीवंत मां है जिसकी नदियां हमारे संस्कार हैं, जिसकी मिट्टी हमारे जीवन की सुगंध है, और जिसकी संस्कृति हमारे अस्तित्व की आत्मा है। यह मातृभूमि केवल हमारी जन्मभूमि नहीं, बल्कि हमारी पहचान और हमारी आस्था का केंद्र है।

इस अवसर पर उपायुक्त ने आह्वान करते हुए कहा कि आज हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हम अपने बच्चों और युवाओं के मन में वही राष्ट्रभक्ति, संस्कार और संवेदनाएँ जागृत करें, जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के मन में थीं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह समझना होगा कि "वंदे मातरम्" केवल एक गीत नहीं, बल्कि एक ऐसी भावना है, जो हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम की ज्योति प्रज्वलित करती है।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 7 नवंबर 1875 को रचित राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' ने आज़ादी की लड़ाई लड़ रहे असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों में देश के लिए मर मिटने का जज़्बा पैदा किया और देशवासियों में देशप्रेम की भावना जागृत की। इस गीत ने स्वतंत्रता सेनानियों को आज़ादी की बलिवेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने के लिए प्रेरित किया।

श्री गुप्ता ने याद दिलाया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम' का उद्घोष अपराध माना जाता था, और जो लोग इसे गाते थे उन्हें जेल में डालने के साथ-साथ अनेक यातनाएं दी जाती थीं। फिर भी देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने बिना किसी भय के अपनी आवाज़ को दबाने के हर प्रयास का डटकर विरोध किया और देश को आज़ाद करवाने के लिए हँसते-हँसते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

## हरियाणा पुलिस का 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' धमाकेदार शुरुआत के साथ-पहले ही दिन 32 कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, 4 हिस्ट्रीशीट खोली गईं, संगठित अपराध पर कसा शिकंजा

**हिन्द जनपथ**
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा पुलिस ने 5 से 20 नवंबर 2025 तक पूरे राज्य में चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रैकडाउन का आग़ाज़ बेहतरीन रणनीति के साथ किया है। इस मिशन का प्रमुख उद्देश्य गोलीबारी, फिरौती, अपहरण और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त भगोड़े अपराधियों को तेजी से कानून के दायरे में लाकर जेल भेजना और उनके आपराधिक नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना है। हरियाणा पुलिस ने 5 नवंबर को पहले ही दिन 32 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर ऐतिहासिक शुरुआत की है, जो हालिया समय में एक दिन में दर्ज की गई बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इस ऑपरेशन का सीधा नेतृत्व आईजी क्राइम राकेश आर्य कर रहे हैं, जिन्होंने अपना व्यक्तिगत नंबर (90342 90495) जनता के लिए साझा किया है ताकि कोई भी नागरिक गुप्त रूप से पुलिस को सूचना दे सके।

### पहले दिन की ऐतिहासिक सफलता: 32 आरोपी क़ाबू

ऑपरेशन की शुरुआत वाले पहले दिन यानी 5 नवंबर को ही हरियाणा पुलिस ने एक ही दिन में 32 कुख्यात और वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करके मिसाल कायम की है। इसके साथ ही 4 आरोपियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई, ताकि उनके आपराधिक इतिहास को अपडेट करके भविष्य में उनकी जमानत रद्द कराना और भारी संवैधानिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तारी सुनिश्चित करना आसान हो सके। यह उपलब्धि सिर्फ़ संख्या भर नहीं-बल्कि इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा पुलिस पूरी ताकत और सूझबूझ के साथ अपराध के खिलाफ़ ज़मीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार है।

### एसएचओ और डीएसपी पर सीधी जिम्मेदारी, ज़िलेवार लक्ष्य तय

"ऑपरेशन ट्रैकडाउन" के तहत हर थाना अपने क्षेत्र में "सबसे कुख्यात 5" अपराधियों की पहचान करेगा और उनकी गिरफ्तारी, सरेंडर या जमानत रद्दीकरण का सुनिश्चित करेगा। इसी तरह हर ज़िला और पुलिस जोन "सबसे कुख्यात 10" की सूची बनाएगा, जिन पर कार्रवाई की पूर्ण ज़िम्मेदारी एसपी, डीसीपी या सीपी की होगी। राज्य स्तर पर एसटीएफ "सबसे कुख्यात 20" अपराधियों की सूची बनाकर उन पर सबसे कठोर कार्रवाई करेगी। इस ऑपरेशन में स्पष्ट किया गया है कि यदि अपराधी दोबारा वारदात करते हैं, तो क्षेत्राधिकार वाले एसएचओ या डीएसपी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा यानी गिरफ्तारी के साथ-साथ रोकथाम को भी उतनी ही प्राथमिकता दी गई है।

## नौवें पातशाह का 350वां शहीदी दिवस: 20 करोड़ रुपए की लागत से बदली श्री आनंदपुर साहिब की सड़कों की नुहार

**हिन्द जनपथ**
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। पंजाब के शिक्षा तथा सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस से पहले बुनियादी ढांचे के विकास के तहत पंजाब सरकार ने श्री आनंदपुर साहिब की सभी आंतरिक और संपर्क सड़कों के नवीनीकरण के लिए 20 करोड़ रुपए की एक व्यापक परियोजना शुरू की है।

आज श्री आनंदपुर साहिब में चल रहे सड़कों के कार्यों का जायज़ा लेते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि विरासत-ए-खालसा से तख्त श्री केसगढ़ साहिब तक, बस स्टैंड से भगत रविदास चौक तक, तख्त श्री केसगढ़ साहिब से वीआईपी रोड तक और अन्य महत्वपूर्ण आंतरिक सड़कों का नवीनीकरण किया जा चुका है। इस पवित्र नगरी की बाकी सड़कों को नया रूप देने का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि सभी संपर्क मार्गों पर कार्य तेजी से चल रहा है और लाखों श्रद्धालुओं के सुगम आगमन को सुनिश्चित करने के लिए सभी बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को यादगारी समारोहों की शुरुआत से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि सड़कों के नवीनीकरण कार्यों में रात के सफ़र और धुंध के दौरान दृश्यता बढ़ाने के लिए एडवांस्ड ब्लिंकर रिफ्लेक्ट लाइटें और प्रीमियम प्रीमिक्स कारपेटिंग शामिल की गई हैं, ताकि समागमों में आने वाली संगत को अधिकतम सुविधा मिल सके।

## पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग़ बहादुर जी की अमर विरासत से करवाया परिचय

**हिन्द जनपथ**
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की अमर विरासत, शिक्षाओं और महान बलिदान के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीएसईबी) द्वारा नौवें पातशाह की 350वें शहीदी दिवस को समर्पित तीन दिवसीय सेमिनार श्रृंखला करवाई गई। यह सेमिनार श्री गुरु तेग बहादुर जी से संबंधित स्थलों पर 3 से 7 नवंबर तक करवाये गए।

शिक्षा बोर्ड की इस पहल के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि इस सेमिनार श्रृंखला का मार्ग अच्छी तरह सोच विचार करके उस ऐतिहासिक मार्ग चुना गया था, जिस मार्ग से होकर भाई जैता जी (बाबा जीवन सिंह जी) श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का पवित्र शीश दिल्ली से श्री आनंदपुर साहिब लेकर पहुँचे थे। इससे विद्यार्थियों को सीखने का एक अनोखा और प्रभावशाली अनुभव प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि यह तीन दिवसीय सेमिनार श्रृंखला 3 नवंबर को सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दयालपुर सोढियां (सीस स्थान, नाभा साहिब) से शुरू हुई। 6 नवंबर को स्कूल ऑफ एमिनेंस, कीरतपुर साहिब में सेमिनार आयोजित किया गया और 7 नवंबर को इसका समापन सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, श्री आनंदपुर साहिब में हुआ।



श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि 2,600 से अधिक विद्यार्थियों ने इन सेमिनारों में भाग लिया और "हिंद दी चादर" श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन काल, शिक्षाओं, बेमिसाल शहादत और माता गुजरी जी तथा छोटे साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान के बारे में जानकारी प्राप्त की। इन सेमिनारों के दौरान नौवें पातशाह द्वारा धर्म (सत्य और अधिकार) की रक्षा हेतु दिए गए सर्वोच्च बलिदान, अदम्य साहस और अटल हिम्मत की वीरगाथाओं पर प्रकाश डाला गया, जिससे युवाओं को गुरु साहिब से जुड़े इतिहास का जीवंत अनुभव मिला।

शिक्षा मंत्री श्री बैंस ने बोर्ड की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जहाँ श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षा है, वहीं मानवता की विजय है। उन्होंने कहा कि आज के बच्चों को गुरु साहिब की शिक्षाओं को समझते और अपनाते देखना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सेमिनार नहीं था, बल्कि पंजाब सरकार का युवाओं को शिक्षा के माध्यम से हमारे गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का विनम्र प्रयास था। पी.एस.ई.बी. के चेयरमैन डॉ. अमरपाल सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपनाने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है जब युवा महान दर्शन से प्रेरणा लेकर साहसपूर्वक सत्य के मार्ग पर चलना सीखते हैं।

# राष्ट्रभाव के 150 वर्ष

वर्ष 2025, भारत के इतिहास का वह ऐतिहासिक पड़ाव है, जब राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। 1875 में बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल साहित्य की रचना नहीं था। यह भारतीय चेतना, अस्मिता, स्वाधीनता व राष्ट्रभाव के बीज बोने वाला शब्द–शस्त्र था। यह गीत जन-मन की वही ऊर्जा है, जिसने गुलामी के अंधकार को भेदकर स्वतंत्रता की सुबह का विश्वास जगाया। भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के 150 वर्षों के कालखंड में ऐसा कोई दौर नहीं था, जब वंदे मातरम् का स्वर क्रांतिकारियों, सत्याग्रहियों, समाज सुधारकों, युवाओं व भारत माता के लिए मर मिटने वाले राष्ट्रभक्तों के गले से न फूटा हो।

1875 में बंगाल के तत्कालीन राजनीतिक व सामाजिक परिदृश्य में उत्पन्न यह गीत धीरे-धीरे भारत की आत्मा की आवाज़ बन गया। 1882 में 'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत जन-चेतना के केन्द्रीय भाव में स्थापित हुआ। 1896 में कलकत्तामें हुए कांग्रेस अधिवेशन में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा पहली बार सार्वजनिक गायनकिया गया। फिर 1905 का बंग-भंग आंदोलन आया, जिसने इस गीत को राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवित प्रतीक बना दिया। इस कालखंड में देश की हर गली व सड़क से लेकरक्रांतिकारियों की गुप्त सभाओं तक, हर भारतीय के गले में एक ही स्वर गूँज रहा था – वंदे मातरम्। यही वह गीत था, जिसने मातृभूमि को देवी के स्वरूप में स्थापित किया और आज़ादी की लड़ाई को आध्यात्मिक, भावनात्मक व वैचारिक शक्ति प्रदान की।1950में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद जी ने राष्ट्र गीत का दर्जा प्रदान किया।

मेरा मानना है कि किसी भी आंदोलन को सफल बनाने के लिए केवल अस्त्र-शस्त्र ही नहीं, बल्कि भाव, विचार, विश्वास और राष्ट्रीय चरित्र की भी आवश्यकता होती है। वंदे मातरम् ने गुलामी पर गर्व करने की गुलाम मानसिकता को तोड़ा और भारत की जनता को यह बताया कि हम भी विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक हैं। हमारे पास संस्कृति है, परंपरा है, मूल्य हैं, आत्मसम्मान है और मातृभूमि की रक्षा का अटूट संकल्प है। इसी गीत की उर्जा से सावरकर जैसे वीर जगे, चन्द्रशेखर आज़ाद जैसी



शहादतें जन्मीं, भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी पले, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे राष्ट्रवादी नायक विश्व मंच पर उठे। इतिहास साक्षी है कि वंदे मातरम् का एक-एक शब्द ब्रिटिश सत्ता की नींद उड़ाने में सक्षम था।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज जब भारत आत्मनिर्भरता, तकनीकी नेतृत्व, अंतरराष्ट्रीय आस्था, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और वैश्विक शांति जैसे नए आयामों की ओर तेज गति से बढ़ रहा है।तब वंदे मातरम् की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। अमृतकाल का भारत केवल इतिहास की महिमा का पाठ नहीं पढ़ना चाहता, बल्कि आने वाले भविष्य के भारत को गढ़ना चाहता है। यह गीत आज भी भारतीय लोकतंत्र के नैतिक कम्पास जैसा है, जो हमें याद दिलाता है कि राजनीति का लक्ष्य सत्ता नहीं, राष्ट्र सर्वोच्च है। मोदी जी का मानना है कि विकास के हर निर्णय में भारत पहले, भारत की जनता पहले, भारत की अस्मिता पहले, यही भारतीय लोकतंत्र की मूल दिशा होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने बीते वर्षों में वंदे मातरम् के संदेश को आधुनिक राष्ट्रनिर्माण के भाव से पुनर्स्थापित किया है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक स्मृति या प्रतीकवाद तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे नई पीढ़ी की राष्ट्र चेतना के केंद्र में स्थापित किया है। आज जब भारत विश्व शक्ति के रूप में उभर रहा है, प्रधानमंत्री मोदी जी ने हर मंच, हर अवसर, हर वैश्विक संवाद में भारत की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता की प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित किया है। उन्होंने मातृभूमि के प्रति सम्मान, भारत की पहचान पर गर्व, भारतीयता को आत्मविश्वास के साथ अपनाने और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को जन-जन तक पहुँचाया है। वंदे मातरम् के इस 150 वर्ष के पड़ाव पर यह कहना उचित है कि नये भारत की विचारधारा, नये भारत का आत्मविश्वास और नये भारत की नीति दिशा, सब में इस गीत की आत्मा कार्यशील व जीवित रूप में दिखती है।

अगले 25 वर्ष भारत के भविष्य निर्माण का निर्णायक काल है। आने वाले 2047 के भारत की यात्रा केवल आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा नहीं, यह सामूहिक चरित्र, नये सामाजिक अनुशासन, नये सांस्कृतिक अभ्युदय और लोकतंत्र की नई ऊंचाईयां छूने की यात्रा है। यह वह समय है जब भारत को सभी पीढ़ियों को एक सूत्र में पिरोने वाली साझा राष्ट्रीय भावना की आवश्यकता है। यही साझा राष्ट्रीय भावना'वंदे मातरम्' में निहित है। यह गीत भारत को केवल भावनात्मक रूप से नहीं जोड़ता, बल्कि यह हमारी लोकतान्त्रिक जिम्मेदारी को जागृत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रवाद विभाजन का नहीं, राष्ट्रवाद एकता का नाम है। यही राष्ट्रवाद भारत के लोकतंत्र को विश्व का सबसे सशक्त, सर्वश्रेष्ठ और सर्वसमावेशी लोकतंत्र बनाता है।

'वंदे मातरम्' माँ भारती को प्रणाम करने का मंत्र है। यह गीत हमारे संविधान, हमारी संस्कृति, हमारी स्वतंत्रता, हमारी अस्मिता और हमारी साझा राष्ट्रीय चेतना का अमर गीत है। आज जब 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं, हमें भारत की आने वाली पीढ़ियों को यह बताना चाहिए कि चाहे देश कितना भी आगे बढ़ जाए, चाहे तकनीक कितनी भी उन्नत हो जाए, चाहे वैश्वीकरण कितना भी व्यापक हो जाए, हमारी आत्मा, हमारी पहचान और हमारी राष्ट्रीय धुरी मातृभूमि ही रहेगी। भारत की माटी से बढ़कर कोई पूज्य नहीं है। वंदे मातरम्।

**– नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री हरियाणा**

## वन्दे मातरम् के 150 वर्ष - राष्ट्रभाव, स्वतंत्रता, चेतना और लोकतांत्रिक भारत का अमर प्रस्थान

भारत की राष्ट्रीय चेतना को यदि दो शब्दों में समेटा जाए, तो "वन्दे मातरम्" जितना व्यापक, सशक्त और भावनात्मक संधारक दूसरा कोई शब्द नहींहै। 1875 में बंगाल के महान कवि बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा रचित यह गीत आज 150 वर्षों के गौरवपूर्ण सफ़र को पार कर नए भारत की ऊर्जा, विश्वास, "राष्ट्र प्रथम" की भावना और लोकतांत्रिक भारत की आत्मा को पुनः पुष्ट कर रहा है।

रचना से राष्ट्रगान तक – 150 वर्षों का कालक्रम

| वर्ष | घटना |
|---|---|
| 1875 | बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने "वन्दे मातरम्" की रचना की |
| 1882 | 'आनंदमठ' उपन्यास में प्रकाशित |
| 1896 | कांग्रेस अधिवेशन (कलकत्ता) में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार सार्वजनिक गायनकियाथा |
| 1905 | बंग-भंग विरोध आन्दोलन में वन्दे मातरम् ने क्रांति की ज्वाला जगाई |
| 1937 | प्रथम दो अंतरों को आधिकारिक स्वीकृति दी |
| 1950 | भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद जी ने राष्ट्र गीत का दर्जा प्रदान किया। |

**"वन्दे मातरम्" में न भू-भाग मात्र है, न सीमाएं मात्र हैं। इसमें वह अद्भुत मातृत्व है, जो भारत को भू-राजनीति से परे आध्यात्मिक शक्ति बनाता है।**

**विवाद**

1923 में काकीनाडा में हुए कांग्रेस अधिवेशन में पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर को 'वंदे मातरम्' गाने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन उस वर्ष कांग्रेस अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अली ने धार्मिक आधार पर आपत्ति जताई और कहा कि इस्लाम में संगीत वर्जित है।

मुस्लिम लीग के नेताओं को खुश करने के लिए, 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति ने राष्ट्रीय गीत को औपचारिक रूप से बदलने का निर्णय लिया।

बाद में भी और कई मौकों पर कांग्रेस और उसके नेताओं ने विभिन्न मंचों पर 'वंदे मातरम्' के प्रति अपनी असहमति दिखाई। एआईएमआईएम नेता श्री अकबरुद्दीन ओवैसी ने 2017 में मांग की थी कि स्कूलों में छात्रों के लिए 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य करने वाले सर्कुलर को रद्द किया जाए। तेलंगाना सरकार ने अब कहा है कि स्कूलों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य नहीं किया जाएगा।

2019 में, मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने सचिवालय में 'वंदे मातरम्' गाने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

स्वतंत्रता संग्राम में "वन्दे मातरम्" की भूमिका

गुलामी के अंधेरे में यह गीत सैनिकों का कमाण्ड था, क्रांतिकारियों की प्रार्थना था, सार्वजनिक नेतृत्व का डिजिटल सिग्नेचर थाऔर आम भारतीयों का राष्ट्रभक्ति का आतंरिक घोष था।

लाठीचार्ज की मार झेलते हुए सड़कों पर जनता के होंठों पर यही था। जेल की कोठरियों में भगत सिंह–बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारी यही गुनगुनाते थे। असहयोग, स्वदेशी, सत्याग्रह सबके केंद्र में मातृभूमि स्तवन का यही स्वर था। अंग्रेजी हुकूमत द्वारा उस समय "वन्दे मातरम्" बोलना भी देशद्रोह घोषित किया जाता था। परंतु क़ानून की बंदिशों पर भी यह नारा रुका नहीं। इसका इतिहासहमें बताता है कि एक नारा – भारत को साम्राज्यवादी सत्ता से जीत सकता है।

आधुनिक भारत की राजनीतिक–लोकतांत्रिक धारा में वन्दे मातरम् की भूमिका

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज भारत विश्व की सबसे सशक्त, उच्चतम स्तर वाली, जीवित लोकतंत्रों में अग्रणी है। लोकतंत्र केवल वोटिंग से नहीं चलता, लोकतंत्र आत्मगौरव, आत्मविश्वास, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रभाव से चलता है। "वन्दे मातरम्" भारतीय लोकतंत्र को यही चारों स्तम्भ प्रदान करता है।

यह राष्ट्रहित को सर्वप्रथम रखता है। यह राजनीतिक संघर्ष की मर्यादा को "मातृभक्ति के अधीन" रखता है। यह धार्मिक विविधता के ऊपर राष्ट्र-विविधता और सांस्कृतिक एकत्व को स्थापित करता है। यह भारत की भौगोलिक भूमि को "देवी" स्वरूप में प्रतिष्ठित करता है। इसलिए, यह गीत मात्र 150 वर्ष पुरानी रचना नहींहै। यह हमारी5000 वर्ष पुरानी भारतीय सभ्यता की अग्नि लौ का आधुनिक रूप है।

नए भारत – भविष्य के भारत – वैश्विक भारत में वन्दे मातरम्

आज भारत 21वीं सदी में नेतृत्व पर खड़ा राष्ट्र है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में प्रौद्योगिकी, AI, रक्षा, अंतरिक्ष, भू-राजनीतिक साझेदारी, वित्तीय कूटनीति, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे हर क्षेत्र में भारत अपने मॉडल से दुनिया के सामने एक वैकल्पिक, स्थायी, सशक्त समाधान प्रस्तुत कर रहा है।

इस भारत की जड़ों की ऊर्जा "प्राचीन राष्ट्रीय संस्कृति" से आती है। यही ऊर्जा "वन्दे मातरम्" में है। आने वाले 25वर्षों में, "अमृतकाल" में जब भारत विश्व-शक्ति बनेगा, उस यात्रा के आध्यात्मिक ईंधन के रूप में "वन्दे मातरम्" रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वन्दे मातरम् की राष्ट्रीय पुनर्स्थापना

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारतीय मानस में राष्ट्रगीत को "शब्द नहीं, संकल्प" के रूप में पुनर्स्थापित कियाहै। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की संस्कृति को 'नैरेटिव लीडरशिप' के साथ स्थापित कर, आज़ादी के पर्वों – विशेषकर 75 वर्ष को जन-आन्दोलन में बदलकर, देश के युवाओं में "राष्ट्र प्रथम"की प्रेरणा देकर, मोदी युग ने "वन्दे मातरम्" को फिर से एक "लाइव वैल्यू सिस्टम" में परिवर्तित किया है। आज वंदे मातरम सिर्फ गीत नहीं, नागरिक चरित्र निर्माण का राष्ट्रीय सूत्र बन गया है।

150 वर्षों का यह गौरव सिर्फ इतिहास का अध्याय नहीं है। यह भविष्य की दिशा है।स्वतंत्रता से डिजिटल क्रांति तक भारत की हर लड़ाई का सार यही था और आगे भी यही रहेगा।जब बच्चा पहली बार "वन्दे मातरम्" बोलता है,तो वह भारतीय संविधान की आत्मा में पहला कदम रखता है।आज जब विश्व भारत की ओर सम्मान से देखता है, तो उस सम्मान का असली आधार यह राष्ट्रभाव है – "वन्दे मातरम्"।वन्दे मातरम् भारत की सामूहिक चेतना, सामूहिक संकल्प और सामूहिक अस्मिता का प्रथम, अनन्त, सर्वोच्च उच्चारण है।मेरा मानना है कि वन्दे मातरम् केवल गीत नहीं, यह भारत का भविष्य-घोष है।

**– नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री हरियाणा**

## संपादकीय

### 'डिजिटल अरेस्ट' हाई-टेक लूट का नया युग,अब तक 3,000 करोड़ ठगे

पिछले कुछ समय से साइबर अपराधियों का संजाल जिस तरह लगातार बढ़ता देखा जा रहा है, उसमें डिजिटल हो रही व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इससे निपटने के लिए सरकार और जांच एजंसियों के मौजूदा सुरक्षात्मक उपाय बौने साबित हो रहे हैं। साइबर अपराधी ठगी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए नए-नए तरीके इजाद कर रहे हैं। 'डिजिटल अरेस्ट' भी इनमें से एक है, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा रहा है।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्र सरकार और केंद्रीय जांच जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने ऐसे मामलों में अब तक तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक की उगाही किए जाने का अनुमान जताया है। यही कारण है कि अब सर्वोच्च अदालत ने इस तरह के मामलों से सख्ती से निपटने की जरूरत पर बल दिया है। साथ ही कहा कि अगर अदालत से कड़े आदेश पारित नहीं किए गए, तो यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है।डिजिटल दुनिया में अमरावती के रिटायर्ड जज भी हो गए कैद, क्या कानून से ज्यादा ताकतवर हैं जालसाज? गौरतलब है कि देश में साइबर अपराधों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी का आकलन राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की हाल की एक रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2022 में देश भर में साइबर अपराध के 65,983 मामले दर्ज किए गए, जिनकी संख्या 2023 में इकतीस फीसद बढ़कर 86,420 हो गई। साइबर ठगी के ऐसे मामले भी सामने आते रहे हैं, जिनमें पीड़ित लोगों से करोड़ों रुपए ऐंठ लिए गए। ऐसे ही एक मामले में पिछले दिनों हरियाणा के अंबाला की एक बुजुर्ग महिला ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें और उनके पति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर अपराधियों ने उनसे एक करोड़ रुपए से अधिक की रकम हड़प ली।इसके बाद शीर्ष अदालत ने ऐसे मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सर्वोच्च न्यायालय के इस दखल से उम्मीद है कि सरकार और जांच एजंसियों की ओर से साइबर ठगों पर नकेल कसने के लिए जल्द ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएंगे।

**लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है।**

# घोषणा-पत्र: लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

(ललित गर्ग)

सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों

को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# सैनिकों की जाति देखने की राहुल की सोच उस 'एकता' को तोड़ने की साजिश है जो युद्ध के मैदान का सबसे बड़ा अस्त्र है

(नीरज कुमार दुबे)

बिहार के कुटुम्बा में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को एक ऐसा बयान दे दिया जिसने पूरे देश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा कि अगर आप ध्यान से देखेंगे तो देश की 90 प्रतिशत आबादी दलित, महादलित, पिछड़ी, अति पिछड़ी, आदिवासी और अल्पसंख्यक वर्गों से आती है। मगर सारे पद, कंपनियां, नौकरियाँ, यहाँ तक कि सेना भी 10 प्रतिशत लोगों के नियंत्रण में है। सेना को राजनीति में घसीटे जाने पर राहुल गांधी के खिलाफ देशभर में तीव्र प्रतिक्रिया देखी जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मुद्दे पर राहुल गांधी को घेरते हुए कहा है कि भारतीय सेना का कोई धर्म या जाति नहीं होती। हमारे सैनिकों का एक ही धर्म है– सैन्य धर्म। उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में घसीटना राष्ट्र के साथ अन्याय है। चौंकाने वाली बात यह है कि पूर्व विदेश मंत्री और विपक्षी खेमे के वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा ने भी राहुल गांधी के बयान पर असहमति जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं निराश हूं कि राहुल गांधी ने भारतीय सेना को जाति की बहस में घसीटा। सेना की एकमात्र जाति है– देशभक्ति, साहस और बलिदान।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने सेना पर टिप्पणी कर विवाद पैदा किया हो। 2023 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान उन्होंने कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल में भारतीय सैनिकों को पीट रही है। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि यदि आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बातें नहीं कहेंगे।

वैसे राहुल गांधी के ताज़ा बयान ने एक बार फिर यह प्रश्न उठाया है कि आखिर क्यों वह बार-बार भारतीय सेना जैसे पवित्र, गैर-राजनीतिक और राष्ट्रीय संस्थान को अपने चुनावी भाषणों में घसीटते हैं। सवाल उठता है कि क्या यह अनजाने में कही गई बात थी, या फिर चुनावी गणित का जानबूझकर बुना गया जाल? सच्चाई यह है कि यह टिप्पणी न तो आकस्मिक थी, न ही मासूम। यह एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थी, जहाँ जाति को हथियार बनाकर हर संस्थान की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया जा सके।

देखा जाये तो भारतीय सेना उस विरल संस्था में से है जिसने सात दशक से भी अधिक समय से भारतीय समाज की विविधता को एकता में पिरोया है। वहाँ धर्म, भाषा, जाति या प्रांत नहीं, बल्कि एक ही पहचान चलती है– भारतीय सैनिक की। इस संस्था की रीढ़ इकाई भावना है, जहाँ सैनिक एक-दूसरे के लिए मर मिटने को तैयार रहते हैं। ऐसे में राहुल गांधी द्वारा यह कहना कि सेना 10 प्रतिशत लोगों के नियंत्रण में है, न केवल तथ्यहीन है, बल्कि सैनिकों की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाला है। सेना को इस प्रकार विभाजित दृष्टि से देखना उस एकता पर हमला है जिसे हमारे जवान सरहद पर अपने रक्त से सींचते हैं। यह महज राजनीतिक बयान नहीं, यह राष्ट्रीय नैतिकता पर प्रहार है।

राहुल गांधी भलीभांति जानते हैं कि बिहार और उत्तर भारत के कई हिस्सों में जातीय समीकरण ही चुनावी परिणाम तय करते हैं। कांग्रेस लंबे समय से इन राज्यों में हाशिये पर है। ऐसे में 90 बनाम 10 प्रतिशत का नारा उनकी चुनावी रणनीति का नया तीर है– एक ऐसा तीर जो जातीय पीड़ा को राजनीतिक लाभ में बदल सके। परन्तु समस्या यह है कि इस बयान में जातीय आँकड़ों की बात नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास की झलक है। राहुल गांधी ने कहा कि न्यायपालिका, नौकरशाही, उद्योग और सेना, सब कुछ 10 प्रतिशत के नियंत्रण में है। यानी उन्होंने एक ही झटके में चारों स्तंभों की विश्वसनीयता पर संदेह जता दिया। यह न केवल असंवेदनशील है, बल्कि लोकतंत्र की नींव हिलाने जैसा है।

दूसरी ओर, यह पहली बार है जब किसी विपक्षी नेता ने भी खुलकर राहुल गांधी की आलोचना की है। यशवंत सिन्हा, जो कभी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के स्तंभ रहे और बाद में मोदी सरकार के आलोचक बने, उन्होंने भी राहुल गांधी की टिप्पणी को अस्वीकार्य बताया है। देखा जाये तो जब विपक्ष के भीतर से भी आवाज़ उठे कि सेना को राजनीति में मत लाओ, तो यह बताता है कि राहुल गांधी का बयान केवल भाजपा बनाम कांग्रेस की बहस नहीं रहा, यह राष्ट्र बनाम संकीर्ण राजनीति की रेखा तक पहुँच चुका है।

यहां एक सवाल यह भी उठता है कि भारतीय सेना पर बार-बार हमले क्यों किये जा रहे हैं? देखा जाये तो राहुल गांधी के राजनीतिक वक्तव्यों का पैटर्न अब स्पष्ट दिखता है। 2016 में उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए। 2019 में उन्होंने एयर स्ट्राइक के सबूत माँगे। 2023 में उन्होंने कहा कि चीनी सैनिक हमारे जवानों को पीट रहे हैं। और अब 2025 में राहुल गांधी ने कहा कि सेना 10 प्रतिशत के नियंत्रण में है। यह निरंतरता किसी राजनीतिक रणनीति की विफलता से अधिक, एक मानसिक ढर्रे को दर्शाती है, जहाँ वह हर राष्ट्रीय संस्था को सत्तारुढ़ दल के प्रभाव में दिखाकर स्वयं को सत्य के एकमात्र वाहक के रूप में पेश करना चाहते हैं। पर यह रणनीति उलटी पड़ रही है। क्योंकि आम भारतीय अपने सैनिकों पर विश्वास किसी पार्टी या नेता के कारण नहीं बल्कि उनके सेवा, समर्पण और बलिदान के कारण करता है।

राहुल गांधी को समझना होगा कि सेना में भर्ती पूरी तरह मेरिट और नियमों पर आधारित होती है। यदि इसे भी जातीय कोटे की दृष्टि से देखना शुरू कर दिया जाए, तो यह संस्था अपनी सामूहिकता खो देगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ठीक ही कहा है कि हम पिछड़ों और गरीबों के लिए आरक्षण का समर्थन करते हैं, पर सेना को जाति के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। देखा जाये तो सेना में आरक्षण की माँग या जातीय गणना की सोच, दरअसल, अनुशासन और एकता के उस ताने-बाने को तोड़ देगी जो युद्ध के मैदान में सबसे बड़ा अस्त्र होता है। विडंबना यह है कि राहुल गांधी स्वयं उस राजनीतिक परिवार से आते हैं जिसने देश पर सबसे लंबे समय तक शासन किया। अगर वाकई 10 प्रतिशत लोग सब कुछ नियंत्रित कर रहे हैं, तो यह नियंत्रण किसके समय में बना? उनके परदादा, दादी, पिता, सभी दशकों तक सत्ता में रहे। ऐसे में यह बयान अपने ही वंश की नीतियों पर प्रश्नचिह्न नहीं, तो और क्या है? इसके अलावा, हर चुनाव से पहले कोई विवादास्पद बयान देकर खुद को सिस्टम के खिलाफ क्रांतिकारी साबित करने की राहुल गांधी की आदत अब एक नियमित तमाशा बन चुकी है। बहरहाल, राहुल गांधी का ताज़ा बयान केवल एक भाषण नहीं था; यह एक राजनीतिक मनोवृत्ति का प्रतिबिंब था– वह मनोवृत्ति जो सत्ता की तलाश में राष्ट्र की मर्यादा तक गिराने को तैयार है। सेना को जातीय तराजू पर तौलना न केवल सैनिकों का अपमान है, बल्कि उस एकता पर भी वार है जो भारत को भारत बनाती है।

## वर्ग पहेली 5906

**संकेतः बाएं से दाएं**
1. यह विह क्रिकेटर है जिसने टेस्ट मैच में एक ही पारी में सबसे ज्यादा 400 रन बनाए (5)
5. किसी नगर या कस्बे का प्रवेश द्वार (2)
7. बराबर, तुल्य, वह संख्या जिसे दो से भाग देने पर शेष कुछ न बचे (2)
8. लालू यादव वाली राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (3)
10. वर्षद, वर्षा मेघ, नीरद, सलिलद (3)
12. क्यूबा की राजधानी जो सबसे बड़ा शहर, प्रांत, प्रमुख बंदरगाह और प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र है (3)
14. सत्ताधारी, जिसके पास सत्ता हो, अधिपत्यधारी (4)
16. अधीनस्थ, अधीन, आयोजन में (4)
18. महर्षि परशुराम का शस्त्र (3)
20. देवमंदिर, उपासना कक्ष, खुदा का घर (5)
23. उपासना, आराधना, पूजा, बंदगी (4)

**ऊपर से नीचे**
1. पीतल को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
2. जुड़वा, अश्विनी कुमार, युगल (3)
3. हिंदी फिल्मों की एक प्रसिद्ध अभिनेत्री जो 2000 की मिस यूनिवर्स थी (4)
4. हुकुमत, प्रभुत्वकाल, राजकीय शासन (2)
6. हसरत, आरजू, तमन्ना, वांछा (3)
9. आंतक, भय, हिरास, सनसनी (4)
11. चिपचिपा, चेपदार, लुआबदार, सरेशदार (4)
13. विश्व में सबसे ऊंचा, (लंबाई के मान से) जानवर (3)
15. मंदता, ढीलापन, मंथरता (4)
17. गले की नली, कंठ (3)
19. क्षेत्रफल, अहाता (3)
20. सार, अर्क, आसव, सत्व (2)
21. बुद्धि, अक्ल, समझ (2)
22. कनीज, खवास, बांदी, हंजिका (2)

**वर्ग पहेली 5905 का हल**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बे | ल | गा | म | ■ | मुं | ब | ई |
| क | ह | ना | ■ | श | ह | ■ | मा |
| सू | र | ■ | शै | ■ | जो | ग | न |
| र | न | वे | ■ | प | र | म | ■ |
| ■ | ■ | त | र | ह | ■ | गी | त |
| न | म | न | ■ | ल | गा | न | ■ |
| जी | ■ | दा | ■ | वा | र | ■ | मा |
| र | म | ता | ■ | न | त | पा | ल |

# महिला क्रिकेट में एक नये युग का आरम्भ

(मृत्युंजय दीक्षित)

भारत के महिला क्रिकेट को इन ऊचाइयों तक ले जाने में आईसीसी के वर्तमान अध्यक्ष जय शाह कि दूरदर्शी सोच तथा भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। महिला क्रिकेट को सबसे अधिक बढ़ावा उनके कार्यकाल में ही मिला है। जय शाह के कार्यकाल में पहली बार महिला क्रिकेट खिलाडियों का वेतनमान पुरुष खिलाड़ियों के समकक्ष किया गया। दो नवंबर 2025 का दिन भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। इस दिन भारत की महिला क्रिकेट टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में विश्व विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।कप्तान हरमनप्रीत का नाम भी अब उसी प्रकार स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा जिस प्रकार से पुरुष क्रिकेट में कपिल देव का लिखा जाता है। एक समय यह दिवास्वप्न लग रहा था क्योंकि लगातार तीन लीग मैच हारने के बाद भारत के लिए सेमीफाइनल में भी पहुंचना बहुत कठिन था किन्तु भारत की बेटियों ने धैर्य के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और भारतीय महिला क्रिकेट को यह अभूतपूर्व सफलता मिली। आज इस महान उपलिब्ध पर घर-घर चर्चा हो रही है। महिला विश्व कप में विजय का उत्सव हर भारतीय ने उसी प्रकार मनाया जिस प्रकार 1983 का पुरुष विश्व कप जीतने के बाद मनाया था। बेटियों के अभूतपूर्व प्रदर्शन पर हर तरफ आनंद ही आनंद बिखरा है, इसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनावो की अपनी रैलियों मे भी किया है। विजयी टीम कि सभी बेटियों के संघर्ष की कहानियां मीडिया के माध्यम से समाज के समक्ष राखी जा रही हैं जिससे भविष्य की उन बेटियों को प्रेरणा मिल सके जो क्रीड़ा जगत में कैरियर बनाना चाहती रही हैं। हमारी बेटियों ने महिला क्रिकेट में आस्ट्रेलिया व इंग्लैड जैसे देशों का वर्चस्व ध्वस्त करने मे सफलता प्राप्त की है। भारत के महिला क्रिकेट को इन ऊचाइयों तक ले जाने में आईसीसी के वर्तमान अध्यक्ष व भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जय शाह कि दूरदर्शी सोच तथा भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। महिला क्रिकेट को सबसे अधिक बढ़ावा उनके कार्यकाल में ही मिला है। जय शाह के कार्यकाल में पहली बार महिला क्रिकेट खिलाडियों का वेतनमान पुरुष खिलाड़ियों के समकक्ष किया गया। स्मरणीय है कि 2005 में इन्हीं महिला खिलाड़ियों को मैच फीस के रूप में मात्र एक हजार रुपए मिला करते थे। जय शाह के कार्यकाल में महिलाओं के लिए आईपीएल लीग का आरम्भ किया गया। महिला क्रिकेट टीम के लिए अधिक से अधिक खेल व अभ्यास के अवसर उपलब्ध कराने के उददेश्य से दूसरे देशों के साथ द्विपक्षीय श्रृखलाओं की संख्या लगातार बढ़ाई गई। जय शाह की अध्यक्षता में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों का परिणाम अब सामने है। वर्ष 2025 भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम है क्योकि इस वर्ष भारत ने दो विश्व कप जीतकर इतिहस रचा है पहले भारतीय टीम ने अंडर -19 का खिताब जीता और अब यह विश्व कप जीतने मे सफलता प्राप्त की है।

विजय कि गाथा में यदि भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार की बात न की जाए तो यह बात अधूरी रह जाएगी। अमोल की भूमिका अभिनंदनीय है। अमोल का खेल कैरियर 1990 के दशक में उस समय प्रारंभ हुआ था जब राहुल द्रविड, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण जैसे दिग्गज मैदान पर थे जिस कारण उनका क्रिकेट कैरियर अधिक नहीं बढ़ पाया और वह केवल रणजी तक ही सीमित होकर रह गये। अमोल ने महिला क्रिकेट टीम के कोच के रूप में महिला खिलाड़ियों को लड़ने का साहस, सामर्थ्य और दृढ़ता दी। महिला क्रिकेट टीम ने भी उनको निराश नहीं किया और गुरुदक्षिणा में विश्व विजय की ट्रॉफी अर्पित कर दी।

विजयोत्सव के इस शोर में कुछ ध्यान रखना तो यह कि विजय के उत्सव कुछ समय बाद फीके पड़ जाते हैं उनका उत्साह और उल्लास बनाए रखने के लिए निरंतर जीत और जीत के प्रयास की आदत डालनी पड़ती है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## आज का राशिफल

### मेष
आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज के दिन आपका किसी से वाद विवाद हो सकता है। इसमें आपकी जीत होने की प्रबल संभावना नजर आ रही है। हर नए काम को करने से पहले कानूनी पहलुओं पर अच्छी तरह से गौर कर लें। व्यापार के सिलसिले में आज किसी की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है।

### वृष
आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। इस दौरान कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ परेशानी हो सकती है। दिन की शुरूआत व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं को हल करने से होगी। इस दौरान किसी कॉम्पटिशन में आपकी जीत हो सकती है। हालांकि इसके लिए आपको पूरी मेहनत और लगन से काम करना होगा।।

### मिथुन
आज के दिन दूसरों के इमोशन्स को पहचानने की कोशिश करनी होगी। उनके अनुसार चलेंगे तो आपको काफी आत्म संतोष होगा। कभी कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परहेज नहीं है।

### कर्क
आज का दिन खुद को साबित करने का है। आज के दिन आपके पास खुद को साबित करने के कई मौके आएंगे। उन मौके को पहचान कर उन पर खरा उतरना आपकी जिम्मेदारी है। यह भी सोच लीजिए कि मौके बार-बार दरवाजे पर दस्तक नहीं देते।

### सिंह
आज के दिन किसी जानकार की छोटी-मोटी मदद कर सकते हैं। आज आपको दिन से पहले हिस्से में दूसरों की आर्थिक मदद करने में ही समय गुजारना पड़ सकता है। इससे किसी कठिन समस्या का हल आसानी से निकल आएगा।

### कन्या
आज आपके ऊपर ढेर सारी जिम्मेदारियां आ सकती हैं। घर के सभी पुराने लटके हुए कामों को पूरा करने का आज आपको मौका मिलेगा। दिन के दूसरे हिस्से में अपने प्रिय के साथ घूमने फिरने का प्लान बनाया जा सकता है।

### तुला
आज आप अपनी पुरानी देनदारी चुकाने में कामयाब हो जाएंगे। कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। ऐसे में अपनी जेब का खास ख्याल रखें। ऐसी चीजें कतई न खरीदें जो फिलहाल आपके काम में आने वाली नहीं हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके ओरिजनल आइडियाज को पसंद करेंगे।

### धनु
आज आपको आपके कार्यक्षेत्र यानी ऑफिस में कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। किसी क्रिएटिव काम में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। जरूरी सामान की खरीदारी में शाम का समय बीत सकता है। आज के दिन घर में बड़े बुजुर्गों से बहसबाजी में न उलझें।

### कुंभ
आज आर्थिक दृष्टि से कुंभ राशि के जातकों का आज का दिन लाभदायक रहने वाला है। दिन के पहले हिस्से में आपको छिटपुट धन का लाभ होने की संभावना है। कोई भी नौकरी शुरूआत में छोटी या बड़ी नहीं होती। एक बार ये बात आपकी समझ में आ जाए तो बस दुनिया अपनी मुट्ठी में ही समझिए।

### वृश्चिक
आज के दिन बहुत बिजी रहने वाले हैं। दिन के पहले हिस्से में कुछ जरूरी फोन कॉल्स और ईमेल्स का जवाब देना आपके महत्वपूर्ण रहेगा। आज के दिन कोई पुराना दोस्त अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। अगर आपसे उधार मांगे तो पहले आप अपनी सेविंग्स पर जरूर नज़र डाल लें।

### मकर
आज सुबह से ही किसी नए प्रोग्राम को लेकर आपके अंदर नई शक्ति और एनर्जी रहेगी। किसी लव अफेयर को लेकर भी आप काफी एक्साइटेड रहेंगे। दिल की बात जबान पर लाने का यह सबसे अच्छा समय है। ऑफिस में आपके प्रमोशन या सैलरी बढ़ाने की बात हो सकती है।

### मीन
आज के दिन अपने में मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की तरफ बिल्कुल ध्यान न लगाएं। अपना काम करते रहें। सफलता एक दिन जरूर आपके कदम चूमेगी। आप अपने सोशल सर्कल में मेलजोल बढ़ाने में कामयाब हो जाएंगे। मान सम्मान में बढ़ोतरी हो सकती है।

## नई-नवेली कंपनी ने भरी लोगों की झोली
## 145 का शेयर पहुंचा 600 रु.के पार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** हाल में शेयर बाजार में उतरी कंपनी अनोंदिता मेडिकेयर ने दो महीने से कुछ ज्यादा समय में लोगों को मालामाल कर दिया है। कंपनी 1 सितंबर 2025 को शेयर बाजार में लिस्ट हुई है। आइपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 145 रुपये था। अनोंदिता मेडिकेयर के शेयर 6 नवंबर 2025 को ह्स्च्च पर 602 रुपये पर बंद हुए हैं। 145 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले अनोंदिता मेडिकेयर के शेयर 310 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 629 रुपये है। अनोंदिता मेडिकेयर, पुरुषों और महिलाओं के लिए फ्लेवर्ड कंडोम बनाती है। अनोंदिता मेडिकेयर के आईपीओ में निवेशकों का पैसा लिस्टिंग वाले दिन ही दोगुना हो गया। कंपनी के आईपीओ में शेयर का दाम 145 रुपये था। अनोंदिता मेडिकेयर के शेयर 1 सितंबर 2025 को 275.50 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग वाले दिन ही कंपनी के शेयर उछाल के साथ 289.25 रुपये पर पहुंच गए। अनोंदिता मेडिकेयर का आईपीओ दांव लगाने के लिए 22 अगस्त 2025 को खुला था और यह 26 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 69.50 करोड़ रुपये तक का था।

# एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बोर्ड ने फंड जुटाने के लिए मंजूरी दी

### *अधिकतम 250 करोड़ क्यूआईबी के माध्यम से, और 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर एफसीसीबीके जरिए जुटाएगी कंपनी*

**हैदराबाद, एजेंसी।**
हैदराबाद स्थित एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने घोषणा की है कि उसके निदेशक मंडल ने कंपनी के शेयरधारकों और अन्य वैधानिक/नियामक अनुमोदनों के अधीन रहते हुए अधिकतम 250 करोड़ रुपये की राशि क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल बायर्स के माध्यम से और 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड के जरिए जुटाने की मंजूरी दी है।

हाल ही में, कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसने चाइपेक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता चाइपेक्स और एमआईसी के बीच एक सहयोगात्मक ढांचा स्थापित करता है, जिसके तहत दोनों कंपनियां एमआईसी के उत्पाद रोडमैप के अनुरूप कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस को संयुक्त रूप से विकसित करेंगी। इस साझेदारी के माध्यम से एमआईसी का उद्देश्य मानक घटकों के बजाय सह-विकसित कस्टम सिलिकॉन का उपयोग करके अपने उत्पादों में बेहतर प्रदर्शन, दीर्घकालिक आपूर्ति स्थिरता और उत्पाद भिन्नता हासिल करना है।कंपनी ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य चाइपेक्स (चिप डेवलपमेंट पार्टनर) और एमआईसी (ओईएम पार्टनर) के बीच एक रणनीतिक और सहयोगात्मक ढांचा स्थापित करना है, ताकि दोनों मिलकर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पाद रोडमैप के अनुरूप कस्टम सेमीकंडक्टर समाधानों की पहचान, परिभाषा, डिजाइन और विकास कर सकें। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों पक्ष अपने-अपने तकनीकी अनुभव और विशेषज्ञता को मिलाकर ऐसे सिलिकॉन समाधानों का विकास करेंगे जो एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पाद पोर्टफोलियो की विशिष्ट प्रदर्शन, कार्यक्षमता और एकीकरण आवश्यकताओं के अनुरूप हों। सह-विकसित कस्टम सिलिकॉन के उपयोग से एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स निम्नलिखित लाभ प्राप्त करना चाहता हैन्मालिकाना और अनुकूलित चिप आर्किटेक्चर के माध्यम से नए उत्पादों में भिन्नता।अपने विभिन्न अनुप्रयोग क्षेत्रों में बेहतर सिस्टम प्रदर्शन और ऊर्जा दक्षता।

## कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक रूरल अपॉर्च्यूनिटीज फंड

**मुंबई, एजेंसी।** कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने कोटक रूरल अपॉर्च्यूनिटीज फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो ग्रामीण और इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश पर फोकस करेगी। यह स्कीम 6 नवंबर 2025 से 20 नवंबर 2025 तक निवेशकों के लिए खुली रहेगी। इस फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में निवेशकों की दौलत में इजाफा करना है, जिसके लिए यह उन कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा, जो भारत के ग्रामीण विकास और बदलाव (रूरल ट्रांसफॉर्मेशन) से जुड़ी हैं या उससे लाभ कमा रही हैं। इस स्कीम का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी रूरल इंडेक्स टीआरआई होगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह ने इस मौके पर कहा कि, ग्रामीण भारत अब केवल खेती तक ही सीमित नहीं है, यह भारत के विकास का नया मोर्चा बन चुका है। वित्तीय समावेशन से लेकर डिजिटल कनेक्टिविटी और स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग तक, ग्रामीण भारत में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव अवसरों, नई उम्मीदों और सरकारी नीतियों की वजह से आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती आय और कंजम्पशन अब भारत की बड़ी आर्थिक कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। कोटक रूरल अपॉर्च्यूनिटीज फंड का लक्ष्य निवेशकों को इस बदलाव में भागीदार बनने में मदद करना है, यह बदलाव भारत की सबको साथ लेकर चलने वाली और संतुलित आर्थिक विकास की यात्रा के साथ मेल खाता है। ग्रामीण भारत तेजी से बदल रहा है, अब लगभग 40त्न ग्रामीण लोग खेती के अलावा अन्य कामों में लगे हैं। 2018 से अब तक, ग्रामीण महिलाओं की नौकरी में भागीदारी लगभग दोगुनी हो गई है, जिससे दोहरी आय वाले परिवारों की संख्या बढ़ रही है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में आधे से ज्यादा खर्च अब खाने-पीने के अलावा अन्य चीजों पर हो रहा है, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण क्षेत्र अब आय, उम्मीदों और खर्च के मजबूत केंद्र बन चुके हैं।

## क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में शानदार पदार्पण

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गुजरात की अग्रणी निजी संस्था मारवाड़ी यूनिवर्सिटी ने इतिहास रच दिया है। विश्वविद्यालय ने क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में अपनी पहली ही प्रविष्टि में एशिया स्तर पर 353वां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि मारवाड़ी यूनिवर्सिटी को भारत की शीर्ष निजी विश्वविद्यालयों में शामिल करती है और किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय की अब तक की सबसे ऊँची पहली रैंकिंग है। इस उपलब्धि के साथ, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी को अब गुजरात की नंबर 1 निजी विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ है। यह इसे क्यूएस रैंकिंग्स 2026 में भारत की सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भी लाती है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स-एशिया 2026 में शामिल यह विश्वविद्यालय एशिया की सबसे युवा निजी यूनिवर्सिटी भी है, जिसने पहली ही बार में यह मुकाम हासिल किया, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान क्षमता और वैश्विक उत्कृष्टता का गौरवपूर्ण प्रमाण है। क्यूएस क्वैक्करेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स एशिया की सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करती है। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार, छात्र-शिक्षक अनुपात, प्रतिष्ठा तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे मानदंड शामिल किए जाते हैं, जो एशियाई उच्च शिक्षा के विविध आयामों को दर्शाते हैं। मारवाड़ी यूनिवर्सिटी ने अंतरराष्ट्रीयकरण और फैकल्टी क्वालिटी के लिए एशिया में शीर्ष 100 में स्थान प्राप्त किया है, जो इसकी मजबूत वैश्विक साझेदारियों, विविध छात्र समुदाय और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। विश्वविद्यालय अब एशिया की प्रतिष्ठित संस्थाओं की सूची में शामिल हो गया है, जिनमें आईआईटी गांधीनगर (रैंक 300), अहमदाबाद यूनिवर्सिटी (रैंक 851-900), पीडीईयू (रैंक 851-900), पारुल यूनिवर्सिटी (रैंक 1001-1100) और एमएस यूनिवर्सिटी (रैंक 1100-1200) जैसी संस्थाएँ सम्मिलित हैं।

### देश में स्वच्छ औद्योगिक प्रगति को रफ्तार देने के लिए

# इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन एक्सेलेरेटर ने लॉन्च किया इंडिया प्रोजेक्ट सपोर्ट प्रोग्राम

*भारत में 65 स्वच्छ औद्योगिक परियोजनाओं को निवेश चरण तक पहुँचाकर 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के आर्थिक अवसर और 2 लाख स्वच्छ रोजगार सृजित करने की संभावना*

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सीओपी 28 में शुरू की गई वैश्विक बहु-हितधारक पहल इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन एक्सेलेरेटर ने आज अपनी इंडिया इनसाइट ब्रीफिंग अनलॉकिंग इंडिया क्लीन इंडस्ट्रि यलिस्टेशन अपोर्चिनिटी रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट का उद्देश्य भारत के उच्च-उत्सर्जन वाले उद्योगों को डिकार्बोनाइज़ करने के लिए कार्रवाई को बढ़ावा देना है। इसी अवसर पर आईटीए ने आधिकारिक रूप से आईटीए इंडिया प्रोजेक्ट सपोर्ट प्रोग्राम की शुरुआत भी की।

यह प्रोजेक्ट सपोर्ट प्रोग्राम भारत की प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं को निवेश के लिए तैयार करने में तेजी लाएगा, और रसायन, इस्पात, सीमेंट, एल्यूमिनियम, विमानन तथा शिपिंग जैसे क्षेत्रों में स्वच्छ, कम-कार्बन विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के सहयोग से तैयार इस इंडिया इनसाइट्स ब्रीफिंग में उद्योग और वैश्विक सलाहकार विशेषज्ञों का अनुभव सम्मिलित किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन और अमेरिका के बाद भारत के पास दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी लो- और नियर-ज़ीरो-एमिशन औद्योगिक परियोजनाओं की पाइपलाइन है – जो सतत औद्योगिक विकास में भारत की बढ़ती नेतृत्व भूमिका को दर्शाती है।

हालाँकि, अब तक केवल छह परियोजनाएँ फाइनल इन्वेस्टमेंट डिसीजन चरण तक पहुँच पाई हैं। अनिश्चित स्वच्छ मांग, उच्च पूंजी लागत, प्रमुख बाजारों में नियामक जटिलताएँ और अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा जैसी संरचनात्मक चुनौतियाँ अंतिम निवेश निर्णय की दिशा में प्रगति को धीमा कर रही हैं।

आईटीए का इंडिया प्रोजेक्ट सपोर्ट प्रोग्राम विभिन्न हितधारकों को साथ लाकर नीतियों, मांग और वित्त को एक दिशा में जोड़ने का प्रयास करता है, ताकि भारत की प्रमुख स्वच्छ औद्योगिक परियोजनाओं की पहली खेप को निवेश के योग्य बनाया जा सके।

भारत की स्वच्छ औद्योगिक क्रांति के प्रमुख क्षेत्र और सेक्टर भारत की 65 स्वच्छ औद्योगिक परियोजनाएँ मुख्य रूप से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में केंद्रित हैं। नवीकरणीय ऊर्जा की मजबूत उपलब्धता, बंदरगाहों तक बेहतर पहुँच और राज्य सरकारों की सहायक नीतियों के कारण ये क्षेत्र स्वच्छ अमोनिया, मेथनॉल और कम-कार्बन धातुओं के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

## इंफोसिस ने शेयर बायबैक के रिकॉर्ड डेट का किया ऐलान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने 18,000 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक के लिए 14 नवंबर को रिकॉर्ड तिथि तय की है। इस बायबैक प्रस्ताव को शेयरधारकों ने 98.81 प्रतिशत के भारी बहुमत से मंजूरी दे दी है। यह 2022 के बाद से कंपनी का दूसरा ऐसा प्रस्ताव है और इसके इतिहास का सबसे बड़ा प्रस्ताव है। इंफोसिस के बोर्ड ने 11 सितंबर को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले, इंफोसिस ने 2022 में 9,300 करोड़ रुपये का बायबैक किया था। इंफोसिस के नए बायबैक में 10 करोड़ शेयर 1,800 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे जाएंगे। बता दें कि इंफोसिस ने मार्केट बंद होने के बाद यह ऐलान किया। इससे पहले कंपनी के शेयर गुरुवार को मामूली गिरावट के साथ 1,466.50 रुपये पर बंद हुए। बायबैक की घोषणा के बाद से इंफोसिस के शेयरों में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। पिछले 12 महीनों में इस शेयर की कीमत में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। इंफोसिस के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह ने कंपनी के 18,000 करोड़ रुपये के शेयर वापस खरीदने की प्रक्रिया में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इनमें नंदन एम. नीलेकणि और सुधा मूर्ति शामिल हैं। शेयर पुनर्खरीद की प्रक्रिया (बायबैक) की घोषणा तक प्रवर्तकों के पास कंपनी में कुल 13.05 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इंफोसिस के प्रवर्तकों में कंपनी के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति की प्रतिशती सुधा एन. मूर्ति, बेटी अक्षता मूर्ति और बेटा रोहन मूर्ति शामिल हैं। इसमें कंपनी के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी, उनकी प्रतिशती रोहिणी नीलेकणी और बच्चे निहार एवं जान्हवी नीलेकणी भी शामिल हैं।

### ब्लू क्लाउड सॉफ्टटेक ने इज़राइल की कंपनी के साथ

## 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टीओटी समझौता किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
ब्लू क्लाउड सॉफ्टटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड , जो एआई-आधारित एंटरप्राइज और साइबर सुरक्षा समाधानों की अग्रणी प्रदाता कंपनी है, ने इज़राइल की एक प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ लगभग 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का टेक्नोलॉजी ओनरशिप ट्रांसफर समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां मिलकर एज-एआई चिप्स विकसित करेंगी – जो आने वाली पीढ़ी के एआईओटीऔर औद्योगिक ऑटोमेशन अनुप्रयोगों को संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए उन्नत सेमीकंडक्टर सिस्टम हैं।150 मिलियन अमेरिकी डॉलर के इस समझौते में ब्लू क्लाउड सॉफ्टटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा पांच वर्ष की रणनीतिक निवेश योजना शामिल है, जिसमें भारत में प्रौद्योगिकी एकीकरण, उत्पाद विकास और मैन्युफैक्चरिंग सेटअप की स्थापना शामिल होगी। साथ ही, हार्डवेयर डिजाइन ट्रांसफर और बौद्धिक संपदा अधिकारों के बदले इज़राइली कंपनी को राजस्व साझेदारी भी दी जाएगी।

इज़राइल की कंपनी मुख्य हार्डवेयर आर्किटेक्चर और रेफरेंस डिजाइन प्रदान करेगी, जबकि बीसीएसएसएल संपूर्ण सॉफ्टवेयर स्टैक विकसित करेगी – जिसमें सिस्टम फर्मवेयर, एआई मिडलवेयर और एप्लिकेशन फ्रेमवर्क शामिल होंगे। इससे भारत में संपूर्ण प्रौद्योगिकी स्वामित्व और बौद्धिक संपदा अधिकार का नियंत्रण सुनिश्चित होगा।यह सहयोग भारत की घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत दृष्टि के अनुरूप है। बीसीएसएसएल वर्तमान में भारत की अग्रणी सेमीकंडक्टर निर्माण कंपनियों के साथ इन चिप्स के घरेलू उत्पादन को लेकर उन्नत वार्ता कर रही है, ताकि बड़े पैमाने पर एंड-टू-एंड स्थानीय उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके।यह पहल कंपनी के मौजूदा 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बाइट एक्लिप्स सहयोग को भी पूरा करेगी, जिसके तहत ऑयल एंड गैस सेक्टर के लिए एज-एआई चिप्स का एकीकरण किया जा रहा है। इसके अलावा, रक्षा, ऊर्जा और औद्योगिक एआईओटी क्षेत्रों में भी कई नए प्रोजेक्ट्स इस पहल से लाभान्वित होंगे।एज-एआई सेमीकंडक्टर प्लेटफॉर्म को औद्योगिक और रक्षा स्तर के वातावरण में उच्च-प्रदर्शन एज कंप्यूटिंग के लिए तैयार किया गया है, जो स्रोत के करीब रीयल-टाइम इंटेलिजेंस और सुरक्षित डेटा प्रोसेसिंग को सक्षम बनाता है।

### सिंगापुर इकाई ने भारतीय राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के साथ

# 19.8 मिलियन डॉलर के निर्यात समझौते पर हस्ताक्षर किए

**जम्मू, एजेंसी।** सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड की सिंगापुर स्थित इकाई ग्रीन पॉइंट प्राइवेट लिमिटेड ने आज इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह सहयोग सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के वैश्विक बाजारों में अपने विस्तार और प्रीमियम भारतीय चावल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमओयू की शर्तों के तहत, दोनों पक्षों ने 50,000 मीट्रिक टन (एमटी) भारतीय चावल की खरीद और निर्यात के लिए वाणिज्यिक व्यवस्थाओं का अन्वेषण करने के अपने इरादे को व्यक्त किया है। यह खरीद लगभग यूएसडी 19.8 मिलियन (173.9 करोड़) के मूल्य की है, जो कॉस्ट एंड फ्रेट आधार पर होगी। इस अवसर पर सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के चेयरमैन श्री रोहित गुप्ता ने कहा- हम आईआरईएफ के साथ सहयोग कर अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को प्रीमियम भारतीय चावल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्साहित हैं। चावल की खेती और प्रसंस्करण में भारत की विशेषज्ञता हमारे उस विज़न के अनुरूप है, जिसके तहत हम विविध वैश्विक बाजारों की सेवा करना चाहते हैं। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के बारे में - सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड एक आइएसओ 22000:2018 और यूएसएफडीए (संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन) प्रमाणित कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी के पास बीआरसी (खाद्य सुरक्षा के लिए विश्व का सबसे बड़ा मानक), कोशर, तथा एनपीपीओ (अमेरिका और चीन) के प्रमाणन भी हैं। साथ ही, कंपनी के उत्पादों को एनओपी-यूएसडीए ऑर्गेनिक प्रमाणन भी प्राप्त है। कंपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रांडेड एवं अनब्रांडेड बासमती और नॉन-बासमती चावल के निर्माण, व्यापार, प्रसंस्करण और विपणन के व्यवसाय में संलग्न है। विपणन के व्यवसाय में संलग्न है। हमारे संचालन जम्मू और कश्मीर राज्य के जम्मू क्षेत्र तथा गुजरात राज्य के गांधीधाम क्षेत्र से संचालित होते हैं। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड का 130 से अधिक वर्षों से स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट चावल उपलब्ध कराने की एक सतत और पर्यावरण-हितैषी विरासत रही है, और पिछले कुछ दशकों में इसने अपनी इस परंपरा को एफएमसीजी और ऑर्गेनिक उत्पादों की अन्य प्रीमियम श्रेणियों तक विस्तारित किया है।

## टाटा मोटर्स का बड़ा ऐलान, वुमेन वर्ल्ड कप विनर्स को गिफ्ट की जाएगी टाटा सिएरा

**मुंबई, एजेंसी।** महिला क्रिकेट टीम ने इस साल वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया. अब देश की ऑटोमोबाइल दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स ने इन विजेताओं के सम्मान में बड़ा कदम उठाया है.कंपनी ने घोषणा की है कि वह 25 नवंबर 2025 को लॉन्च होने वाली अपनी फ्लैगशिप एसयूवी (टाटा सिएरा) का पहला बैच भारतीय महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट करेगी.इस दौरान टीम की हर खिलाड़ी को मिलेगा इस एसयूवी का टॉप मॉडल, जिसमें कंपनी की नवीनतम टेक्नोलॉजी और फीचर्स शामिल होंगे.यह कारें टीम की उन खिलाड़ियों को समर्पित हैं, जिन्होंने विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन कर इतिहास रचा। इस अवसर पर टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ, श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन और शानदार जीत से पूरे देश को गर्व महसूस कराया है। उनका यह सफर दृढ़ संकल्प और विश्वास की शक्ति का सच्चा उदाहरण है - वे गुण जो हर भारतीय को प्रेरित करते हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में, हमें गर्व है कि हम इन महान खिलाड़ियों को एक और दिग्गज उपहार में दे रहे हैं - द टाटा सिएरा।

## केआरएन हीट एक्सचेंजर का क्यू2 एफवाय26 शुद्ध मुनाफा मजबूत राजस्व के चलते लगभग दोगुना हुआ

**राजस्थान।** केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड , जो एल्युमिनियम/कॉपर फिन्स, कॉपर ट्यूब हीट एक्सचेंजर, वॉटर कॉइल्स, तथा कंडेंसर और एवापोरेटर कॉइल्स के प्रमुख निर्माता और निर्यातकों में से एक है, ने क्यू2 और एच1 एफवाय26 के लिए अपने असंपरीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। संतोष कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने कहा, हमें एफवाय26 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के दौरान हासिल किए गए मजबूत प्रदर्शन पर प्रसन्नता है, जो केआरएन की विकास यात्रा में एक और कदम आगे का संकेत है। यह अवधि विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही क्योंकि इस दौरान हमने कई रणनीतिक कदम उठाए, जो भविष्य के लिए हमारी नींव को मजबूत करते हैं। स्फीयर रेफ्रिजरेशन सिस्टम्स के बस एयर-कंडीशनिंग डिवीजन का अधिग्रहण एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो ऑटोमोटिव एचवीएसी सेगमेंट में हमारी उपस्थिति को बढ़ाता है, जबकि क्रिसिल- रेटिंग और स्थिर दृष्टिकोण हमारे मजबूत वित्तीय स्वास्थ्य और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

**HIMACHAL PRADESH**
**PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

**Short term E-Procurement Notice**
**INVITATION FOR BIDS (IFB)**

**The Executive Engineer HP PWD Division Nalagarh Distt. Solan HP** on behalf of Governor of HP invites the online bids on percentage rate, in electronic/ nic tendering system,in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors.firms registered with HPPWD Department.

| Job No | Name of Work | Estimated Cost (In Rs.) | Earnest Money (In Rs.) | Time Allowed | Cos,of Form | Eligibility of Contractor |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | A/R & M/O on various Panchyat road under Ramshehar Sub-Division HPPWD Ramshehar (SH:- Hiring of JCB). | 153720 | 5200 | 2 Months | 350/- | C & D |
| 2 | A/R & M/O on various Panchyat road under Baddi Sub-Division HPPWD Baddi (SH:- Hiring of JCB). | 153720 | 5200 | 2 Months | 350/- | C & D |

**Availability of Bid Document and mode of submission:** The Bid document is available online and bid should be submitted in online mode on website https://hptenders.gov.in. Bidder would be requird to register in the web-site which is free of cost. For submission of bids, the bidder is required to have Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized certifying authorities (CA) "Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPPWD may obtain the same from the website: https://hptenders.gov.in. Digital signature is mandatory to participate in the e-tendering. Bidders already possessing the digital signature issued from authorized CAs can use the same in this tender.

**2. Key dates.**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Date of Online Publication | 06-11-2025 10:00 AM |
| 2. | Document Download Start Date | 11-11-2025 11:00 AM |
| 3. | Bid Submission Start and End Date | 11-11-2025 at 11:00 AM to 18-11-2025 at 10:30 AM |
| 4 | Date of Opening of Bid | 18-11-2025 at 11:30 AM |

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website www.hptenders.gov.in.

**Executive Engineer**
**Nalagarh Division**
**HPPWD Nalagarh**

**R.No. 4224/2025-2026** **(On behalf of Governor of Himachal Pradesh**

## आरवीएनएल ने जीता 272 करोड़ का ठेका, क्या आज दौड़ेंगे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल विकास निगम लिमिटेड को सेंट्रल रेलवे से 272 करोड़ रुपये से अधिक का ठेका मिला है। इस ठेके के तहत कंपनी को सेंट्रल रेलवे के दौंड-सोलापुर खंड में ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट और सब-सेक्शनिंग पोस्ट का डिजाइन, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशन करना है। इस अपडेट के बाद आज आरवीएनएल के शेयरों में हलचल देखने को मिल सकती है। गुरुवार को यह रेलवे स्टॉक 2.55 पर्सेंट टूटकर 317.50 रुपये पर बंद हुआ था। इस परियोजना का लक्ष्य 3000 मीट्रिक टन के माल ढुलाई लक्ष्य को पूरा करना है। इस परियोजना को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन मोड में 24 महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। प्रमोटर्स से कोई संबंध नहीं- कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को यह भी सूचित किया कि कंपनी के प्रमोटर्स का सेंट्रल रेलवे में कोई हित नहीं है और न ही यह ऑर्डर किसी संबद्ध पक्ष लेनदेन के अंतर्गत आता है। पिछले महीने भी मिले थे ऑर्डर- अक्टूबर महीने में रेल विकास निगम को तीन और ऑर्डर मिले थे। इनमें उत्तर पूर्वी रेलवे द्वारा दिया गया 165.5 करोड़ रुपये का एक बुनियादी ढांचा परियोजना भी शामिल है।

**उत्तर रेलवे**

**खुली निविदा सूचना**

वरि. मंडल विद्युत अभियंता / क.वि./ उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की और से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग केमाध्यम से निविदाये आमंत्रित करते है। इन निविदाओ को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

| क्र. सं. | निविदा संख्या | कार्य का विवरण | निविदा बंद/ खुलने की तिथि | लगभग लागत | धरोहर राशि | कार्य पूरा करने की अवधि | वैधता अवधि | टेण्डर फॉर्म की कीमत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ETrU-T-08-2025-26 | अंबाला डिवीजन में RDSO निर्देश संख्या TI/IN/0048 या लेटेस्ट के अनुसार मौजूदा SCADA सिस्टम में साइबर सुरक्षा लागू करने हेतु कार्य। | 28.11.2025 | ₹ 7,56,16,192/- | ₹ 5,28,100/- | 09 महीने | 60 दिन | Downloading through IREPS portal -NIL, ₹10,000/- Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए) |

संख्या:. ETrU-T-08-2025-26 दिनांक: 06.11.2025

3456/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## हर हर महादेव क्यों बोला जाता है?

सनातन धर्म में भगवान शिव के भक्त जयकारा लगाते समय हर हर महादेव बोलते हैं। पौराणिक वेद ऋग्वेद में इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार सनातन धर्म में तीन मुख्य देवता हैं। ब्रह्मा, विष्णु और महेश। महेश अर्थात भगवान शिव। जिन्हें संहारक माना जाता है, यानी कि बुराइयों को अंत करने वाले और भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी को जन्मदाता माना जाता है। इसलिए इनको महादेव से संबोधित करते हैं। जिसका मतलब है, देवों के देव। अब ऐसे में भगवान शिव के लिए हर हर महादेव ही क्यों बोला जाता है।

### हर हर महादेव बोलने का आशय

जब श्रृष्टि में सकारात्मक ऊर्जा का जन्म हुआ था, साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का जन्म भी हुआ था, लेकिन व्यक्ति नकारात्मक ऊर्जा का सामना न करके महादेव को अपनी रक्षा करने के लिए बुलाते थे। इसके लिए महादेव ने सभी मनुष्यों को उनकी शक्ति से परिचित कराने के लिए हर हर महादेव का जाप किया था। जिसका अर्थ है, महादेव सभी के हैं और सभी महादेव हैं। अर्थात सभी बलशाली हैं। इसलिए महादेव की प्रतीक्षा करने से अच्छा है, अपने अंदर के महादेव को जाग्रत कर नकारात्मक ऊर्जा का नाश करें। महादेव का दूसरा अर्थ नाश भी है। ऋग्वेद में जीवन का सार विस्तार से बताया गया है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव (शिव जी फूल) परम चेतना हैं और आत्मा ही शिव है। हर हर महादेव से आशय है हर चीज में महादेव का वास है। व्यक्ति के भीतर भी महादेव विराजते हैं।

### हर हर महादेव का अर्थ क्या है

हर हर से आशय है, नष्ट करना। इसका अर्थ यह है कि शिव जी (शिव जी मंत्र) के आराधक अपने अंदर सारे दोषों को नष्ट करें। दूसरा अर्थ यह है कि महादेव शिव हर किसी के दोष हर लेते है और सभी दोषों को पवित्र कर देते हैं। महादेव की पूजा मात्र करने से ही सभी कष्ट दूर हो सकते हैं और व्यक्ति को मनवांछित फल की भी प्राप्ति होती है। इसलिए महादेव के भक्तों द्वारा हर हर महादेव का जाप किया जाता है।

### हर हर महादेव बोलना स्वयं को समर्पित करना

पूजा के दौरान जैसे ही हर हर महादेव बोलते हैं, तो वैसे ही सभी लोग अपने हाथों को उठाकर हर हर महादेव का जयकारा लगाते हैं। ऐसा करते समय भक्त अपने आपको भगवान शिव को समर्पित कर देते हैं। भक्त चाहते हैं कि भगवान शिव भक्तों की सभई परेशानियां दूर कर दें और उन्हें मोक्ष का वरदान दें।

# भगवान शिव के प्रतीकों का रहस्य

**भगवान शिव की वेशभूषा सबसे भिन्न और निराली है। जब भी भगवान शिव के बारे में जानना हो, उनके रूप के बारे में जानना हो तो उनके कुछ खास प्रतीक चिह्न हैं जिनके जरिये यह पहचाना जा सकता है कि आपके आसपास भगवान शिव का वास बना हुआ। हालांकि ज्योतिष में तो इन प्रतीकों को घर पर रखने का भी खासा महत्व बताया गया है।**

भगवान शिव के ये प्रतीक आपके और हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं और हम सभी को यह संकेत देते हैं कि भगवान की कृपा पर बनी हुई है। भगवान शिव के इन प्रतीकों का अपना अलग-अलग महत्व है और इनसे जुड़ा अपना-अपना रहस्य भी है। तो चलिए जानते हैं भोलेनाथ महादेव के इन प्रतीक चिह्नों और इनसे मिलने वाले संकेतों के बारे में।

### अर्ध चंद्र

भगवान शिव के मस्तक पर अर्ध चंद्र स्थापित है जो समय का प्रतीक माना जाता है। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने अपने चंचल मन को थोड़ा भी सीमित कर लिया उसके भीतर भगवान शिव (भगवान शिव के आगे क्यों नहीं लगता श्री) की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### त्रिनेत्र

भगवान शिव की तीन आंखें हैं। तीसरी आंख का अर्थ है उन चीजों का अनुभव करना जिन्हें सामान्य दृष्टि से देखा ना जा सके। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने भी अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से थोड़ा भी भिन्न किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### त्रिशूल

भगवान शिव का त्रिशूल न सिर्फ शस्त्र है बल्कि मानव शरीर में मौजूद नाड़ियों का सूचक माना जाता है। इसका हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी सही ज्ञान अर्जित किया और उस ज्ञान का सांसारिक उन्नति के लिए प्रयोग किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आसुओं से हुई है। रुद्राक्ष निर्माण के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। रुद्राक्ष (रुद्राक्ष धारण करने के नियम) का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी कला या प्रभु भक्ति से अपने भीतर किसी नवीन शक्ति का निर्माण किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### सर्प

भगवान शिव के गले में विराजमान सर्प समय चक्र को दर्शाता है। सर्प का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी भूत, वर्तमान और भविष्य में भी प्रभु भक्ति को चुन हर जीव की सेवा की है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### डमरू

भगवान शिव का डमरू इस अबत का प्रतीक माना जाता है कि अपने अवगुणों पर विजय कैसे पाई जाए। डमरू का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने अवगुणों को दूर करने का प्रयास किया हो और उसमें थोड़ा भी सफल हुआ हो तो उस व्यक्ति में भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### बाघ की छाल

भागवान शिव को बाघाम्बर कहा जाता है क्योंकि वह मृत बाघ की छाल के आसन पर बैठते हैं जी इस बात का प्रतीक है कि अपनी शक्ति पर अहंकार न करें। बाघ की छाल का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी अहंकार को त्याग दिया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

### त्रिपुंड

भगवान शिव का त्रिपुंड तिलक उनके मस्तक पर धारित 27 देवताओं और ध्यान का प्रतीक माना जाता है। त्रिपुंड का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने भीतर 36 में से 27 गुणों को ध्यान शक्ति को जागृत किया है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

## भगवान शिव के प्रसन्न होने पर मिलते हैं ये संकेत

धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब भगवान हमसे रुष्ट होते हैं तब उन्हीं के माध्यम से हमें कई सारे संकेत मिलते हैं। वहीं, जब भगवान हमसे प्रसन्न होते हैं तब उससे जुड़े भी कई संकेत हमें नजर आने लगते हैं।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब भगवान हमसे रुष्ट होते हैं तब उन्हीं के माध्यम से हमें कई सारे संकेत मिलते हैं जो यह दर्शाते हैं कि हमने कहां गलती की है या क्या हमसे ऐसी चूक हुई है जिसके कारण भगवान हमसे नाराज हैं। वहीं, जब भगवान हमसे प्रसन्न होते हैं तब उससे जुड़े भी कई संकेत हमें नजर आने लगते हैं। भगवान के प्रसन्न होने से जुड़ी घटनाएं हमारे जीवन में घटने लगती हैं। इन घटनाओं या परिस्थितियों के कारण ही हमें भगवान के हमारे समीप होने का आभास होता है। जब भगवान शिव हमसे प्रसन्न होते हैं तो उनके द्वारा कुछ ऐसे संकेत होते हैं जो हमें अपने जीवन में मिलने लग जाते हैं। तो चलिए इस लेख में जानते हैं कि कौन से हैं शिव जी के प्रसन्न होने के वो संकेत।

### भगवान शिव शंकर के आपके साथ होने से जुड़े संकेत

शिव पुराण के अनुसार, जब भगवान शिव अपने किसी भक्त से प्रसन्न होते हैं तब व्यक्ति को आंतरिक मन में डमरू के बजने की आवाज सुनाई देती है। यह आवाज उसे मानसिक रूप से शांत करती है और उसका तनाव कम करने का काम करती है।

इसके अलावा, अगर आप कहीं बाहर जाएं और आपको किसी ऐसे स्थान पर आपको त्रिशूल दिख जाए जहां उसके दिखने की उम्मीद न हो तो समझ लें कि भगवान शिव आपसे प्रसन्न हैं और उनकी कृपा आप पर एवं आपके परिवार पर बनी हुई है। अगर आपको रास्ते में कहीं भी आते या जाते नंदी महाराज यानी कि शांत बैल के दर्शन हो जाएं तो यह भी भगवान शिव के आपकी पूजा से प्रसन्न होने के संकेत हैं। ऐसे में आपको उस शांत बैल को देखकर भगवान शिव का ध्यान करते हुए नमन करना है।

# अनार के रस से करें भगवान शिव का रुद्राभिषेक, बनी रहेगी घर की सुख-शांति और समृद्धि

**सनातन धर्म में भगवान शिव को सभी दुखों का संहारक और सत्य का प्रतीक माना जाता है। इनकी पूजा करने से जातकों को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में भगवान शिव का अनार के रस से रुद्राभिषेक कैसे करें।**

भगवान शिव कों देवों के देव महादेव कहा जाता है। इनकी पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है और उत्तम परिणाम भी मिलने लग जाते हैं। वहीं मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान शिव का रुद्राभिषेक कई तरह से किए जाते हैं। सभी रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से भक्त के चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे नकारात्मकता दूर होती है। रुद्राभिषेक करने के भी कई विशेष नियम होते हैं। आपकों बात दें, व्यक्ति के स्वास्थ्य सुधार के लिए भी विधिवत रूप से भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की जाती है। अब ऐसे में अनार के रस से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कैसे करें। किस विधि से करें और रुद्राभिषेक का महत्व क्या है।

### अनार के रस से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कैसे करें?

अनार का रस भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि अनार के रस से अभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

### रुद्राभिषेक करने के लिए विधि

भगवान शिव का रुद्रभिषेक करने के लिए सामग्री के बारे में विस्तार से जानते हैं - ताजा अनार का रस, शिवलिंग, बेलपत्र, धतूरा, भांग, चंदन, कुश, जल, रुद्राक्ष की माला, शुद्ध कपड़े

अनार के रस से रुद्राभिषेक किस विधि से करें?

- अनार का रस भी भगवान शिव को प्रिय है और इसे शिवलिंग पर चढ़ाना शुभ माना जाता है। अनार के रस से अभिषेक करने से कई तरह के लाभ मिलते हैं, जैसे कि धन लाभ, रोग निवारण और मन की शांति।
- सबसे पहले एक स्वच्छ स्थान पर शिवलिंग को स्थापित करें।
- शिवलिंग को गंगाजल या शुद्ध जल से धोकर शुद्ध करें।
- शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग और चंदन चढ़ाएं।
- अब अनार के रस से शिवलिंग पर धीरे-धीरे अभिषेक करें।
- अभिषेक करते समय रुद्राक्ष की माला से रुद्राष्टक का जाप करें।
- अभिषेक के बाद शिवलिंग पर पुष्प अर्पित करें और धूप-दीप दिखाएं।
- उसके बाद भगवान शिव को प्रणाम करें।

### भगवान शिव को अनार का रस चढ़ाने का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अनार को एकता और समृद्धि का प्रतीक हैं। ऐसा माना जाता है कि अनार का रस चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा से जीवन में समृद्धि और खुशहाली आती है। अनार का लाल रंग शक्ति और उत्साह का प्रतीक है। यह भगवान शिव की तपस्या और शक्ति को दर्शाता है।

# भगवान श्रीहरि विष्णु ही क्यों करते हैं क्षीर सागर में निवास?

**क्षीर सागर को ब्रह्मांड की उत्पत्ति का स्थान माना जाता है। भगवान विष्णु, सृष्टि के पालनहार के रूप में, इसी सागर पर शेषनाग नामक विशाल सर्प की शय्या पर विश्राम करते हैं।**

हिंदू धर्म में क्षीर सागर एक पवित्र स्थान है। यह ब्रह्मांड के केंद्र में है। शास्त्र में इसका वर्णन दूध के विशाल सागर के रूप में किया जाता है। भगवान विष्णु को इस सागर में शेषनाग नामक विशाल सर्प की शय्या पर विश्राम करते हुए दर्शाया गया है। क्षीर सागर को सृष्टि, मोक्ष और शांति का प्रतीक माना जाता है। क्षीर सागर भगवान विष्णु और उनकी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। ऐसा कहा जाता है जिन्होंने भगवान विष्णु की अत्यधिक भक्ति और तपस्या की है, उन्हें क्षीर सागर में प्रवेश करने का वरदान प्राप्त हो सकता है। अब ऐसे में मन में एक सवाल आता है कि भगवान श्रीहरि विष्णु ही क्षीर सागर में क्यों वास करते हैं।

### क्षीर सागर का धार्मिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार क्षीर सागर ब्रह्मांड की उत्पत्ति का स्थान है। सृष्टि के पालनहार इसी सागर में शेषनाग की शैय्या पर विश्राम करते हैं। क्षीर सागर को मोक्ष का प्रतीक भी कहा जाता है। भगवान विष्णु का इस सागर में निवास करना दर्शाता है कि वे मोक्ष के दाता हैं और भक्तों को मोक्ष प्राप्ति में सहायता करते हैं। क्षीर सागर शांति और समृद्धि का प्रतीक है। भगवान विष्णु का इस सागर में निवास करना दर्शाता है कि वे सृष्टि में शांति और समृद्धि बनाए रखते हैं। शास्त्रों के अनुसार क्षीर सागर का संबंध विश्व के विनाश से भी है। भगवान विष्णु का इस सागर में निवास करना दर्शाता है कि वे प्रलय के बाद सृष्टि का पुनर्निर्माण करते हैं। क्षीर सागर में भगवान विष्णु का विश्राम बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। भगवान विष्णु का शेषनाग पर शयन करना आत्म-ज्ञान का प्रतीक है। शेषनाग अनंत काल का प्रतीक है, और भगवान विष्णु इस पर विश्राम करके यह दर्शाते हैं कि वे काल से परे हैं और सभी ज्ञान के धारक हैं। क्षीर सागर को दुग्ध सागर भी कहा जाता है। क्षीर सागर में भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी भी उनके साथ निवास करती हैं।

### क्षीर सागर में कौन प्रवेश कर सकता है?

क्षीर सागर में वहीं प्रवेश कर सकता है, जिन्होंने भगवान विष्णु की अत्यधिक भक्ति और तपस्या की है। उन्हें ही क्षीर सागर में प्रवेश करने का वरदान प्राप्त मिल सकता है।

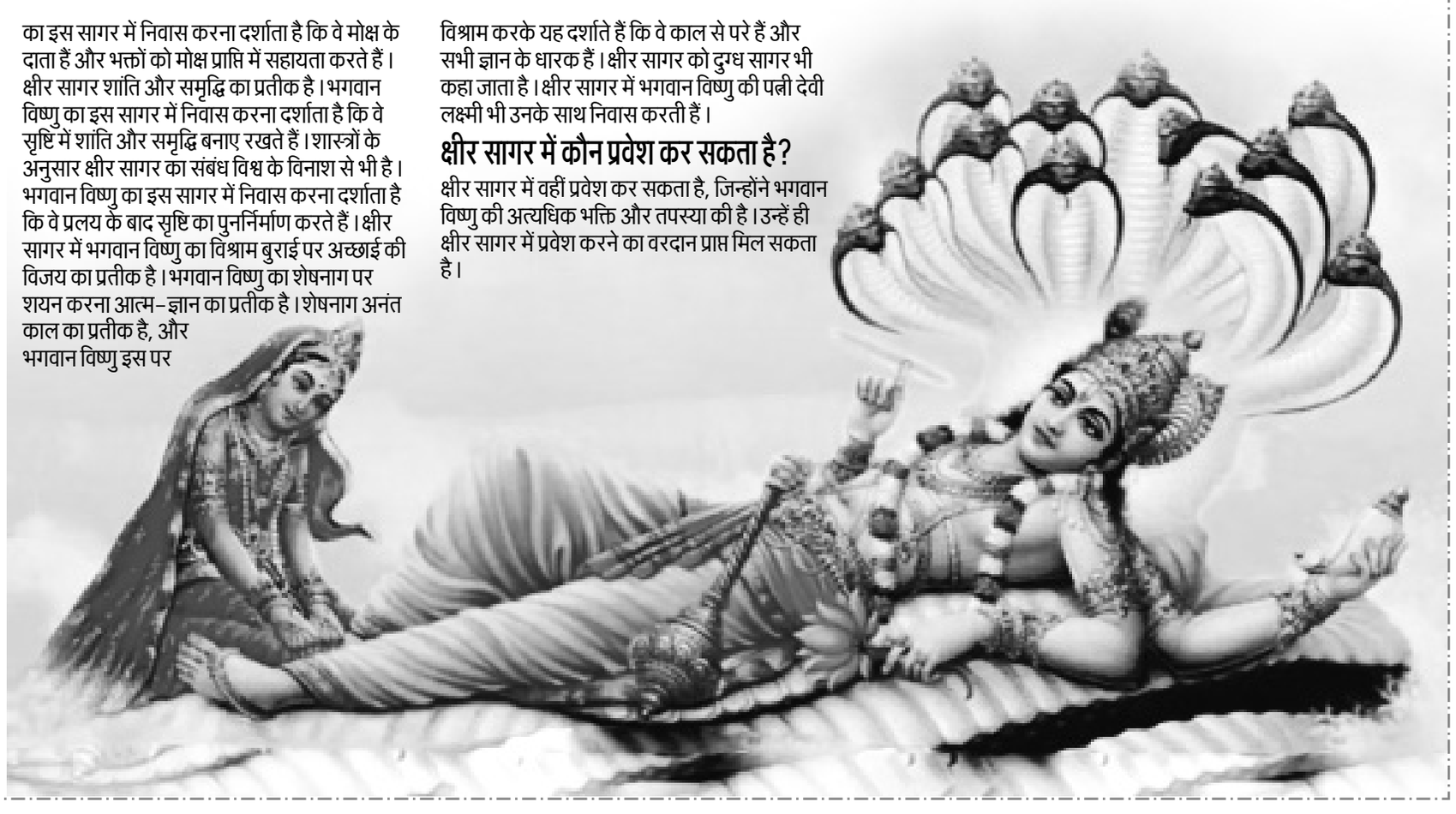

# टीम में जगह न मिलने का पछतावा नहीं: सुनील छेत्री

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कहा है कि एशियाई कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के संभावितों में शामिल न होने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। छेत्री ने कहा है कि मैं फुटबॉल में इतने लंबे समय से हूं कि मुझे पता था कि ऐसा हो सकता है। मुझे इस बात का मलाल है कि भारत 2027 एशियाई कप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। हम ऐसी टीम नहीं हैं जो बस आकर जीत जाए। हमें कड़ी मेहनत करनी होगी, गति चाहिए, और चीजें हमारे अनुकूल होनी चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा कि इसीलिए हम क्वालीफाई नहीं कर पाए, लेकिन इससे मदद मिलती। भारतीय



सीनियर फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने बुधवार को संभावित 23 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। इसमें पूर्व कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री का नाम नहीं था। सुनील छेत्री ने मार्च 2025 में संन्यास से वापसी करते हुए एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर खेलने की इच्छा जाहिर की थी। उनका नाम फीफा अंतर्राष्ट्रीय विंडो के 30 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया था, लेकिन 23 खिलाड़ियों की सूची से उन्हें बाहर कर दिया गया है। तीन एएफसी एशियाई कप खेलने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हाल में संपन्न सीएएफए नेशंस कप का भी हिस्सा नहीं थे। छेत्री भारत के सफलतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी चौथे नंबर पर हैं और 157 मैचों में 95 गोल कर चुके हैं।

### फिडे विश्व कप

## विदित ने फॉस्टिनो ओरो को हराया, प्रणव और प्रणेश ने तीसरे राउंड में जगह बनाई

**पणजी, एजेंसी।** ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना के कम उम्र के खिलाड़ी फॉस्टिनो ओरो के खिलाफ जीत हासिल की। प्रणव वी और प्रणेश एम ने भी विश्व कप के तीसरे मैच में दौर में जगह बना ली है। 12 साल के ओरो ने विदित गुजराती पर दो क्लासिकल गेम्स में दबाव बनाया था। लेकिन, आखिरकार विदित का अनुभव उनके काम आया और काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दूसरे रैपिड गेम को 52 चालों में जीता। जीत के बाद विदित गुजराती ने फॉस्टिनो ओरो की तारीफ करते हुए कहा, 'यह मैच आसान नहीं था। युवा खिलाड़ी शतरंज बहुत



अलग तरीके से खेलते हैं क्योंकि वे कंप्यूटर के साथ बड़े हुए हैं। उनके पास पुरानी पीढ़ी से ज्यादा अनुभव है। 12 साल का ओरो करिश्माई है। उसके जैसा खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। उसके खिलाफ जीत दर्ज करते हुए अगले राउंड में जगह बनाना अच्छा लग रहा है।' विदित अगले राउंड में अमेरिका के सैम शैंकलैंड से भिड़ेंगे। प्रणव ने नॉर्वे के आर्यन तारी के खिलाफ पहले रैपिड गेम को 44 चालों में जीत लिया। यह रूक-पॉन एंडिंग था। दूसरे गेम में काले मोहरों से उन्होंने नॉर्वेजियन खिलाड़ी से ड्रॉ खेला और आगे बढ़ गए। अगले राउंड में प्रणव लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस से खेलेंगे। जीत के बाद प्रणव ने कहा कि मैंने पहले के मुकाबलों के बारे में न सोचते हुए सिर्फ अपना गेम खेला। मेरी तैयारी काम आई और मैं जीतने में सफल रहा। वहीं प्रणेश ने कोलार्स के खिलाफ काले मोहरों से खेले गए मैच में 48 चालों में जीत हासिल की। अगले दौर में उनका मुकाबला जर्मनी के जीएम विंसेंट कीमर से होगा।

### पैरा तीरंदाज

## शीतल देवी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया

### भारत की एशिया कप सक्षम टीम में जगह बनाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश भर के 60 से ज्यादा सक्षम तीरंदाजों के बीच समान परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए जम्मू-कश्मीर की 18 वर्षीय तीरंदाज शीतल सोनीपत में हुए चार दिवसीय राष्ट्रीय चयन ट्रायल में तीसरे स्थान पर रहीं। जन्म से ही भुजाहीन पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने गुरुवार को एक और उपलब्धि हासिल करते हुए जेद्दा में होने वाले आगामी एशिया कप चरण तीन के लिए भारत की सक्षम जूनियर टीम में जगह बनाई। विश्व कंपाउंड चैंपियन शीतल के लिए एक सक्षम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में शामिल होना एक और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

### 'मेरा एक छोटा सा सपना था...'

शीतल ने टीम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 'जब मैंने प्रतिस्पर्धा शुरू की थी तो मेरा एक छोटा सा सपना एक दिन सक्षम तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा करना था। शुरुआत में मैं इसमें सफल नहीं हो पाई, लेकिन मैं हर असफलता से सीखते हुए आगे बढ़ती रही। आज वह सपना एक कदम और करीब आ गया है।'

### इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

# निर्णायक टी20 मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज़ का अंतिम और पाँचवाँ मुकाबला शनिवार को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। भारत 2-1 की बढ़त के साथ पहले ही सीरीज़ अपने पक्ष में कर चुका है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस दौरे का समापन शानदार जीत से करना चाहेगी। टीम का फोकस अपनी बल्लेबाज़ी कमजोरियों को सुधारने और लय में लौटने पर रहेगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की कोशिश स्पिनरों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर प्रतिष्ठा बचाने की होगी।

- **भारत का लक्ष्य - बल्लेबाजी में सुधार और दमदार समापन**- भारत इस टी20 सीरीज़ में 2-1 से आगे है और 17 साल से ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज न हारने की परंपरा को कायम रखा है। अब टीम का लक्ष्य शानदार जीत के साथ इस दौरे को समाप्त करना है। पिछले मैच में भारतीय बल्लेबाज़ों ने अच्छी शुरुआत के बावजूद बीच ओवरों में तेज़ी से विकेट गंवाए।
- **शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव से बड़ी पारी की उम्मीद**- शुभमन गिल पिछले सात मैचों में अर्धशतक नहीं बना पाए हैं। हालांकि पिछले मैच में उनकी 46 रनों की पारी ने उम्मीदें जगाई थीं। वे एक बार फिर टीम प्रबंधन का भरोसा जीतने के लिए शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। सूर्यकुमार यादव ने पूरी सीरीज़ में स्थिर प्रदर्शन किया है, लेकिन वे भी बड़ी पारी खेलने में संघर्ष कर रहे हैं।
- **गेंदबाजी में स्थिरता और स्पिनरों का जलवा**- गेंदबाज़ी विभाग में अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह की जोड़ी एक बार फिर टीम की ताकत बनी हुई है। अर्शदीप ने पिछले मैच में चार विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की थी। स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में तीन विकेट झटके, जबकि दुबे ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार योगदान दिया।
- **ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौती - स्पिन और स्थिरता**- ऑस्ट्रेलिया की टीम भारतीय स्पिनरों के सामने संघर्ष कर रही है। ट्रैविस हेड की अनुपस्थिति ने टीम को कमजोर किया है, जबकि मिशेल मार्श, मार्कस स्टोइनिस और टिम डेविड पर अब तक पूरी जिम्मेदारी रही है। मैथ्यू शॉर्ट को शीर्ष क्रम में मौका मिलने की संभावना है। गेंदबाजी में जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी ने असर डाला है। एडम जम्पा और नाथन एलिस ही लगातार असरदार साबित हुए हैं, जबकि बेन ड्वारशुइस एक भी विकेट नहीं ले सके।

### मध्यक्रम और निचले क्रम पर भी निगाहें

तिलक वर्मा और जितेश शर्मा के लिए यह मैच अहम होगा। तिलक हालिया मैचों में लगातार असफल रहे हैं, जबकि जितेश पर संजू सैमसन से बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। अभिषेक शर्मा ने पिछले मैच में तेज़ अर्धशतक लगाकर शीर्ष क्रम को मजबूती दी है। वहीं, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे ऑलराउंडर टीम की गहराई को बढ़ा रहे हैं। पिछले मैच में अक्षर ने मात्र 11 गेंदों पर 21 रन बनाए थे, जो टीम के लिए निर्णायक साबित हुए।

## जेमिमा रोड्रिग्स ने ऐतिहासिक महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप 2025 से पहले टीम इंडिया का बढ़ाया उत्साह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पहले महिला टी20 विश्व कप दृष्टिबाधित क्रिकेट 2025 की उल्टी गिनती शुरू होते ही अपनी गतिशील बल्लेबाजी, जीवंत ऊर्जा और आकर्षक मुस्कान के लिए प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम इंडिया दृष्टिबाधित क्रिकेट की लड़कियों को प्रोत्साहन का एक मार्मिक संदेश दिया है। जेमिमा ने अपने विशिष्ट हंसमुख अंदाज में कहा, जैसा कि भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) की एक प्रेस विज्ञप्ति में उद्धृत किया गया है, 'आप सभी को विश्व कप के लिए शुभकामनाएं। मैं आप सभी का उत्साहवर्धन कर रही हूं, ठीक वैसे ही जैसे आप सभी ने हमारा उत्साहवर्धन किया था। विश्व कप घर ले आइए और फिर हम साथ मिलकर जश्न मनाएंगे।' आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत की शानदार जीत के कुछ ही दिनों बाद आए उनके इस गर्मजोशी भरे संदेश ने प्रशंसकों और खिलाड़ियों, दोनों को प्रभावित किया है। यह संदेश भारत की मुख्यधारा की महिला क्रिकेटरों और टीम इंडिया दृष्टिबाधित क्रिकेट की लड़कियों के बीच गहरी एकजुटता और आपसी सम्मान को दर्शाता है जो देश का प्रतिनिधित्व करने के जुनून, दृढ़ता और गर्व से एकजुट हैं। सीएबीआई द्वारा समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के सहयोग से आयोजित पहला महिला टी20 विश्व कप दृष्टिबाधित क्रिकेट 2025 तीन दिन बाद 11 नवंबर को मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली में शुरू होने वाला है।

### भारतीय टीम

- **बी1 श्रेणी** : सिमु दास, पी. करुणा कुमारी, अनु कुमारी, जमुना रानी टुडू, काव्या वी
- **बी2 श्रेणी** : अनेका देवी, बसंती हंसदा, सिमरनजीत कौर, सुनीता सराठे, पार्वती मरांडी
- **बी3 श्रेणी** : दीपिका टी सी (कप्तान), फूला सोरेन, गंगा एस कदम (उप-कप्तान), काव्या एन आर, सुषमा पटेल, दुर्गा येवले

## गुजरात ने लॉरा और यूपी ने दीप्ति को किया रिलीज

### डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले ये खिलाड़ी हुए रिटेन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गुजरात जायंट्स ने लॉरा वुलफार्ट को रिटेन न करने का बड़ा फैसला लिया है क्योंकि सभी 5 टीमों ने डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने की पुष्टि कर दी है। वुलफार्ट हाल ही में संपन्न हुए एकदिवसीय विश्व कप में शीर्ष स्कोरर रहीं और दक्षिण अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन नियमों के अनुसार केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को ही रिटेन किया जा सकता है, इसलिए जायंट्स ने बेथ मूनी और एश्ले गाडर्नर की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को चुना। रिपोर्ट के अनुसार वुलफार्ट के अलावा, एक और बड़ा नाम जिसे रिटेन नहीं किया गया है, वह हैं भारत की शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा। विश्व कप विजेता ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। दीप्ति ने 2024 में डब्ल्यूपीएल में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी जीता था। उम्मीद के मुताबिक, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी अन्य बड़ी भारतीय स्टार खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है।

### रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची

- **मुंबई इंडियंस** : हरमनप्रीत कौर, अमनजोत कौर, हेली मैथ्यूज, नैट-स्किवर ब्रंट, जी. कमलिनी
- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु** : स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी, श्रेयंका पाटिल
- **गुजरात जायंट्स** : एश्ले गाडर्नर, बेथ मूनी यूपी वारियर्स : श्वेता सहरावत
- **दिल्ली कैपिटल्स** : एनाबेल सदरलैंड, मारिजान काप, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, निकी प्रसाद

# इस बार मिलेगी ट्रॉफी? PAK से तकरार

### एक और एशिया कप के लिए टीम इंडिया तैयार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप टी-20 का खिताब जीते एक महीना बीत चुका है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि विजेता ट्रॉफी अब तक भारतीय टीम के पास नहीं पहुंची. न कोई ट्रॉफी प्रेजेंटेशन, न कोई समापन. यह जीत अधूरी-सी लगती है. और अब जब बीसीसीआई ने राइजिंग स्टार एशिया कप में भागीदारी की पुष्टि कर दी है, तो कहानी का नया अध्याय शुरू हो गया है. पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से लौटने वाली है, मगर एशियन क्रिकेट काउंसिल की कार्यशैली पर सवाल अब भी जस के तस हैं. एशिया कप दरअसल अपनी सबसे अहम घड़ी 'ट्रॉफी मोमेंट' तक पहुंच ही नहीं पाया..यह एक ऐसा अभियान था जो भारत के लिए स्पष्ट और योग्य जीत के साथ खत्म होना चाहिए था, लेकिन यह बयानों, पलट बयानों और कूटनीतिक उलझनों में फंस गया. फिर भी, बीसीसीआई ने बिना किसी हिचकिचाहट के एक और टीम को भेजने की तैयारी शुरू कर दी है, एक और टूर्नामेंट में... वह भी पाकिस्तान की मौजूदगी वाले. इस बार यह फैसला महज एक क्रिकेटीय सिलसिला नहीं लगता, बल्कि भारत का संयम, नियंत्रण और आत्मविश्वास जताने का संकेत लगता है. हाल ही में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में पाकिस्तान से तीन बार मुकाबला किया- ग्रुप स्टेज, सुपर-फोर और फाइनल में. मैदान पर मुकाबला तीखा था, लेकिन क्रिकेट के इर्द-गिर्द राजनीतिक रंग और भावनात्मक गर्माहट ज्यादा दिखाई दी. सबसे चर्चित क्षण वह था जब एसीसी चेयरमैन और पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत को ट्रॉफी देने से इनकार कर दिया. यह कदम न सिर्फ माहौल बिगाड़ गया, बल्कि सम्मान, पारदर्शिता और मंशा पर भी सवाल उठ गए. आईसीसी को दखल देना पड़ा. दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर जुर्माना लगा, चेतावनी दी गई और डिमेरिट पॉइंट दिए गए. पर इन सजाओं से भी असल मुद्दा नहीं सुलझा. ट्रॉफी अब भी एसीसी के पास है- ना लौटाई गई, ना सौंपी गई.

# मंधाना ICC प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

### वोल्वार्ट और गार्डनर से कम्पीट करेंगी; विमेंस वर्ल्डकप में भारत की टॉप स्कोरर रहीं



**दुबई, एजेंसी।** विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली स्मृति मंधाना को ढ्रुष्ट्र के बेस्ट प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट किया गया है। 29 साल की मंधाना ने 2 नवंबर को समाप्त हुए टूर्नामेंट में 434 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन की मदद से भारतीय टीम साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराते हुए पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। अक्टूबर महीने के नॉमिनेशन में भारतीय उपकप्तान मंधाना के अलावा, साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर भी शामिल हैं। मंधाना ने अहम मौकों पर रन बनाए मंधाना ने टॉप ऑर्डर में भारतीय बैटिंग को लीड किया। उन्होंने वर्ल्ड कप में प्रतिका रावल के साथ कई ओपनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 80 रन की और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 88 रन की आक्रामक पारी खेली। हालांकि, इन दोनों मैचों में भारती टीम हार गई। मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो के मैच में 109 रन की पारी खेली। उन्होंने प्रतिका के साथ 212 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 45 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत कराई और शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी निभाई।

## पाकिस्तानी गेंदबाजों पर बरपा डीकॉक का कहर

### टूट गया एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल, रिकी पोंटिंग का यह रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में क्या खूब वापसी की। पहले मैच में मिली हार के बाद प्रोटियाज ने पाकिस्तान को उनके घर में 8 विकेट से हरा दिया और सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। इस मैच में पाकिस्तान का स्कोर खराब नहीं था और इस टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 269 रन बनाए थे। हालांकि इसके बाद साउथ अफ्रीका के ओपनर क्विंटन डीकॉक ने नाबाद 123 रन की पारी खेली और अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। डीकॉक ने अपनी पारी के दौरान 119 गेंदों का सामना किया और 7 छक्के और 8 चौके भी जड़े। डीकॉक ने तबीयत से पाकिस्तानी गेंदबाजों की कुटाई की और कई दिग्गजों को पीछे छोड़ने का कमाल किया। पाकिस्तान में ये डीकॉक का पहला वनडे शतक रहा साथ ही ये उनके वनडे करियर का 22वां शतक भी था।

न्यूज डायरी

## किताबों में ही होता है इतिहास का दर्शन -अनुराग रस्तोगी

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज पंचकुला में आयोजित किये जा रहे पुस्तक मेले का उदघाटन करते हुए कहा कि नई पीढ़ी जब पढेंगी तभी राष्ट्र का विकास होगा। किताबों में ही इतिहास का दर्शन होता है। इसलिए आज के युवा को साइबर युग में भी पढ़ने की संस्कृति से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि साइबर युग में किताब ही विवेक को समृद्ध बनाती है। इसलिए बेहतर मनुष्य बनने के लिए अच्छी किताबों को युवा पढ़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका तय करें।

गौरतलब है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की प्रेरणा से ऊर्जा संस्कृति समिति की पहल पर ऊर्जा विभाग, पुलिस विभाग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, महिला एवं बाल विकास विभाग, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, अक्षय ऊर्जा विभाग, परिवहन विभाग और शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन पंचकूला की संयुक्त पहल पर आज पंचकूला के इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम के परिसर में चतुर्थ पुस्तक मेले का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 13 नवंबर तक चलेगा।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व विधान सभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा यह आयोजन पंचकूला के समग्र विकास की आधारशिला है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधान सचिव ऊर्जा विभाग श्री श्यामल मिश्रा ने कहा कि किताबें समाज को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाती हैं। यह ज्ञान उत्सव पंचकूला को नयी बौद्धिक उंचाई का आकाश दे रहा है।

इस मौके पर उत्तर हरियाणा बिजली बितरण के प्रबन्ध निदेशक श्री मनीराम शर्मा ने कहा कि पूर्व में निगम द्वारा 26 पुस्तकालयों का संचालन किया जा रहा था। आज 9 पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया है।अब 35 पुस्तकालयों के संचालन के माध्यम से साहित्यिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त हो रहा।

इस अवसर पर ऊर्जा संस्कृति समिति के संरक्षक श्री पी के दास, एच बी पी एन एल के प्रबन्ध निदेशक श्री महेन्द्र पाल, पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को दी नई मजबूती: आरती सिंह राव

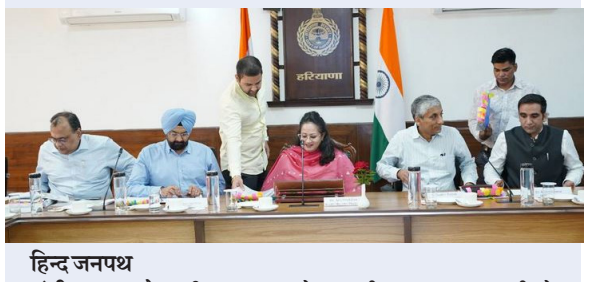

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा सरकार ने राज्य की जन स्वास्थ्य प्रणाली को और अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव की अध्यक्षता में गत देर सांय उच्च अधिकारियों के साथ हुई एसएचपीपीएच बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण दर अनुबंधों को मंजूरी दी गई।

बैठक में प्रदेश के सभी सिविल अस्पतालों के लिए 4.64 करोड़ रुपये की लागत से 87 डिफाइब्रिलेटर (Bi-phasic), 1.01 करोड़ की लागत से 40 मोबाइल एक्स-रे मशीनें , 4 करोड़ की लागत से 11 वीडियो ब्रोंकोस्कोप तथा 7.19 करोड़ रुपये की लागत से जीआई वीडियो एंडोस्कोपी सिस्टम की खरीद को स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त, गुरुग्राम जिले में 26.20 करोड़ की लागत से 30 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (UAAM) के संचालन एवं प्रबंधन हेतु सेवा प्रदाता के चयन को भी मंजूरी प्रदान की गई।

इसी तरह से राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों की क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए समिति ने हिस्टोपैथोलॉजी विभागों हेतु 1.60 करोड़ रुपये में 9 स्वचालित स्लाइड स्टेनर, दंत विभागों हेतु 2.20 करोड़ में 4 मोबाइल डेंटल वैन, प्रयोगशाला विभागों के लिए 1.47 करोड़ में 70 एबीजी बेंचटॉप मशीनें, नेत्र विभागों के लिए 3.94 करोड़ में 15 हाई-एंड ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप (नेत्र) तथा टीबी रोगियों के परीक्षण हेतु 6 करोड़ की लागत से 40 टूनेट मशीनें खरीदने को भी स्वीकृति दी।

बैठक में उपकरणों के साथ-साथ आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगभग 60 करोड़ मूल्य की 44 आवश्यक दवाओं को भी दो वर्ष की अवधि के दर अनुबंध के तहत मंजूरी प्रदान की गई। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि इन स्वीकृतियों से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में आमूलचूल सुधार होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों और तृतीयक स्वास्थ्य संस्थानों तक मरीजों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने कहा कि आधुनिक उपकरणों और जीवनरक्षक दवाओं की समय पर आपूर्ति से न केवल मरीजों की देखभाल सेवाएं मजबूत होंगी, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित राज्य के सभी प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों को भी प्रभावी रूप से सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह निर्णय स्वास्थ्य क्षेत्र में नई तकनीक और गुणवत्ता आधारित सुधार की दिशा में एक और ठोस कदम है, जिससे राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन का लाभ मिलेगा।

## अनिल विज ने किया आह्वान, 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का अधिक से अधिक लोग लाभ उठाएं'

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी स्थित अपने आवास पर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अम्बाला छावनी के 23 लाभार्थियों को 25.23 लाख रुपए सब्सिडी के चैक वितरित किए। इस दौरान उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाएं ताकि हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार ग्रीन एनर्जी युक्त भारत को विकसित कर सकें।

उन्होंने कहा कि लोगों के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत अच्छी योजना है जिसके तहत 60 हजार रुपए केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से 50 हजार के यानि कुल 1.10 लाख रुपए की सब्सिडी के चैक आज हमने प्रत्येक लाभार्थी को दिए हैं। योजना के तहत 1.80 लाख रुपए से कम जिसकी आय है उसे दो किलोवॉट तक 1.10 लाख रुपए सब्सिडी के तौर पर दिए गए हैं। ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि लाभार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य यह है कि वो और भी लोगों को बताएं और दिखाएं की सोलर पैनल लगने के बाद बिजली लगभग मुफ्त हो जाती है। सोलर से जितनी बिजली दिन में पैदा होगी उससे एक घर का गुजारा चल सकता है व बिजली का बिल खत्म हो सकता है। यह योजना दो किलोवॉट तक ही नहीं बल्कि ज्यादा किलोवॉट लोड पर भी दी जा रही है, जिसके तहत 3 किलोवॉट लोड तक वालों को 78 हजार रुपए सब्सिडी दी जा रही है। ऊर्जा मंत्री ने आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग योजना का लाभ उठाए।

# श्री देवी तालाब का पवित्र स्थल केवल एक मंदिर नहीं यह हमारी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का केंद्र- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

- यह सेवा हमारी महान सिख और सनातन परंपरा का जीवंत उदाहरण
- पंजाब और हरियाणा एक ही संस्कृति व एक ही गौरवशाली इतिहास को करते है साझा
- मुख्यमंत्री ने जालंधर (पंजाब) स्थित श्री देवी तालाब मंदिर में कार सेवा के शुभांरभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जालंधर का श्री देवी तालाब का यह पवित्र स्थल केवल एक मंदिर नहीं, यह हमारी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का केंद्र है। पवित्र सरोवर की कार सेवा केवल मिट्टी हटाना या तालाब को गहरा करना नहीं है। यह सेवा, समर्पण और सामुदायिकता की हमारी महान सिख और सनातन परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात जालंधर (पंजाब) स्थित श्री देवी तालाब मंदिर में कार सेवा के शुभांरभ कार्यक्रम में जुड़े सेवादारो को सम्बोधित करते हुए कही।

### सरोवर की प्राचीन और प्राकृतिक पवित्रता वापस लाना हम सबका लक्ष्य

उन्होंने कहा कि इस पवित्र सरोवर का जीर्णोद्धार और शुद्धिकरण वास्तव में ईश्वर की सेवा है, जो हमें मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराता है। इस सरोवर की प्राचीन और प्राकृतिक पवित्रता वापस लाना हम सबका लक्ष्य है। पंजाब और हरियाणा एक ही संस्कृति और एक ही गौरवशाली इतिहास को साझा करते हैं। हमारे रिश्ते केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और खून के हैं।

### सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार सेवा हमें सिखाती है कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं। जिन्होंने बिना किसी अपेक्षा के इस पुनीत कार्य में अपना श्रम, समय और संसाधन लगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस कार सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लें। यह श्रमदान आपको अपनी जड़ों से जोड़ेगा और आपको सामूहिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाएगा। आज हम जिस पवित्र कार्य के लिए एकत्रित हुए हैं, वह केवल एक सरोवर की सफाई नहीं है, यह हमारी धरती माता और हमारी अमूल्य जल संपदा की वंदना है।

### जल की शुद्धता ही जीवन की सर्वोच्चता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल ही जीवन है, और जल की शुद्धता ही जीवन की सर्वोच्चता है। हम भारतीय, आदिकाल से ही प्रकृति को पूजते आए हैं। हमारे लिए नदी, पहाड़, वृक्ष और जल, ये सब देवभूमि हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब यह कार सेवा हमें याद दिलाती है कि समाधान किसी विदेशी प्रयोगशाला से नहीं आएगा, बल्कि हमारी अपनी परंपरा और सामूहिक सेवाभाव से आएगा।

### युवा श्रमदान, जागरूकता और नवप्रवर्तन का करें कार्य

उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं, जिनमें सबसे ज्यादा ऊर्जा, जोश और तकनीकी ज्ञान है। उन्होंने युवाओं से योगदान देने का आह्वान किया कि श्रमदान, जागरूकता और नवप्रवर्तन करने से मिट्टी में उतरकर काम करने से जो आत्मिक शांति और गर्व मिलेगा, वह किसी और चीज से नहीं मिल सकता, डिजिटल सेवादार बनकर जागरूकता फैलाने कार्य करे और नई सोच इस प्राचीन तीर्थ को आधुनिक बना सकती है।

### कार सेवा समर्पण और एकता की बने मिसाल

श्री सैनी ने जालंधर के लोगों से कहा कि यह सरोवर आपके शहर की पहचान है। कार सेवा पूरी होने के बाद, असली जिम्मेदारी आपकी शुरू होगी। आप प्रतिदिन सरोवर की साफ-सफाई पर नजर रखें। सरोवर में पूजा सामग्री या अन्य गंदगी फेंकने वालों को रोकें। मंदिर कमेटी, स्थानीय लोगों के सहयोग से सरोवर की पवित्रता बनाए रखने के लिए कठोर नियम बनाएं और उनका पालन सुनिश्चित करें। हम सब मिलकर संकल्प लें कि यह कार सेवा केवल एक परियोजना न रहे, बल्कि यह समर्पण और एकता की मिसाल बने। इस सरोवर को इतना भव्य और पवित्र बनाना है कि यह पूरे विश्व के श्रद्धालुओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन जाए।

## स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन श्री सुभाष चंद्र ने स्वास्तिक विहार मार्केट में स्वच्छता अभियान की ली समीक्षा बैठक

हिन्द जनपथ
**पंचकूला (ब्यूरो)**। पंचकुला में स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन श्री सुभाष चंद्र ने नगर निगम के वार्ड नंबर-2, स्वास्तिक विहार मार्केट में मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इस अवसर पर उन्होंने अभियान के तहत की गई गतिविधियों की समीक्षा की और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।हाल ही में श्री सुभाष चंद्र ने इस मार्केट में जनप्रतिनिधियों और नगर निगम के सहयोग से स्वच्छता अभियान भी चलाया था।

बैठक में पार्षद सुरेश वर्मा, सीएम विंडो के नॉमिनेटेड सदस्य विपिन, मार्केट एसोसिएशन के प्रधान सुनील, रंजीत, अक्षत, अजय और संजीव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 77 प्रतिशत कमी

### अगले दो साल में 'जीरो स्टबल बर्निंग स्टेट' बनाने का लक्ष्य

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा अगले दो साल में पराली जलाने की समस्या को जड़ से खत्म कर देगा। गत 6 नवम्बर, 2025 तक राज्य में पराली जलाने की 206 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 888 थी। इस प्रकार राज्य में 77 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

यह जानकारी मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के पश्चात दी। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा ने की।

श्री वर्मा ने इसके लिए हरियाणा सरकार के अधिकारियों और किसानों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पराली जलाने की घटनाओं में कमी लाने के लिए खास तौर पर करनाल और कुरुक्षेत्र जिलों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अगले दस अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए जिला प्रशासन कड़ी निगरानी रखे ताकि पराली जलाने की घटना न हो।

बैठक के बाद मुख्य सचिव ने बताया कि हरियाणा ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए त्रि-आयामी रणनीति अपनाई है, जिसमें पराली का इन-सिटू, एक्स-सिटू और पशु चारे के रूप में उपयोग शामिल हैं। राज्य के कुल 39.31 लाख एकड़ धान क्षेत्र में से 44.40 लाख टन अवशेष इन-सिटू, 19.10 लाख टन एक्स-सिटू, और 22 लाख टन चारे के

रूप में उपयोग किया जा रहा है। अब तक 19,670 एकड़ क्षेत्र का धान से फसल विविधीकरण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 1,74,064 एकड़ क्षेत्र में डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस तकनीक अपनाई गई है, जिससे पानी की बचत और पराली उत्पादन में कमी आई है।

राज्य सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहनों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इन-सिटू और एक्स-सिटू प्रबंधन के लिए 1,200 रुपये प्रति एकड़, फसल विविधीकरण के लिए 8,000 रुपये प्रति एकड़, और डीएसआर के लिए '4,500 रुपये प्रति एकड़ की सहायता दी जा रही है। इन योजनाओं हेतु कुल '471 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों को बायो-डीकम्पोजर पाउडर निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसे चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा 2 लाख एकड़ क्षेत्र में यह परियोजना लागू की जा रही है।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 94 करोड़ रुपये की लागत से 7,700 से अधिक नई मशीनें स्वीकृत की गई हैं। इस योजना पर इस वर्ष कुल 250.75 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसमें केंद्र सरकार का अंशदान 150.45 करोड़ रुपये और राज्य का 100.30 करोड़ रुपये है।

राज्य में इस समय 8.17 लाख टन क्षमता के 31 पेलेटाइजेशन/ब्रीकेटिंग संयंत्र, 111.9 मेगावाट क्षमता के 11 बायोमास पावर प्लांट, एक 2जी एथेनॉल संयंत्र, 2 सीबीजी प्लांट और 5 थर्मल पावर प्लांट संचालित हैं, जो संयुक्त रूप से 16.64 लाख टन धान के पराली का उपयोग कर रहे हैं।

गैर-एनसीआर जिलों में ईंट भट्ठों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 2025 तक 20 प्रतिशत और 2028 तक 50 प्रतिशत तक पराली आधारित पेलेट्स का उपयोग करें।

## प्रथम भारत रत्न गली क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन 37 मैच सफलता पूर्वक खेले गए

### रोहन वालिया, गुरजीत गुर्जर और कुल्दीप शर्मा ने लगाए शानदार तुफानी शतक

हिन्द जनपथ
**पंचकूला (ब्यूरो)**। शुक्रवार को प्रथम भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जिला पंचकूला गली क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन विभिन्न ग्राउंडों पर रोमांचक मुकाबले खेले गए। वी.डी. किकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में मानक टाबरा टीम ने रिहौड़ की टीम को 69 रनों से हराया। इस मुकाबले की सबसे बड़े आकर्षण रहे रोहन वालिया, जिन्होंने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए केवल 45 गेंदों पर 16 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 137 रन की शानदार पारी खेली।

वहीं हंगोली टीम ने भोज टिपरा टीम को 149 रनों से हराया, जिसमें गुरजीत गुर्जर ने 31 गेंदों में 112 रन ठोकते हुए 11 छक्के और 10 चौके जड़े।

इसी प्रकार हंस राज स्कूल में खेले गए मुकाबले में हरिपूर पंचकूला की टीम ने गांव बूर्ज, चण्डीमंदिर की टीम को 117 रनो से पराजित किया जिसमें कुल्दीप शर्मा ने 37 बॉलो पे 142 रन बनाए और प्लेय ऑफ द मैच घोषित किया।

पहले भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी पंचकूला जिला गली क्रिकेट टूर्नामेंट में आज तीन

क्रिकेट खिलाड़ी रोहन वालिया, कुलदीप शर्मा और गुरजीत गुर्जर ने तूफानी शतक बनाया। आज हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर श्री ज्ञान चंद गुप्ता ने

पंचकूला के टी.डी.एल क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मौके पर पंचकूला के पूर्व जिला खेल अधिकारी श्री डी.के. राणा और टूर्नामेंट आयोजन समिति के सदस्य अमरजीत कुमार भी मौजूद थे।

स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी के चेयरमैन एवं पूर्व स्पीकर, हरियाणा विधानसभा श्री ज्ञान चंद गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रथम गली क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 116 टीमें भाग ले रही हैं। आज पंचकूला के 7 ग्राउंडों पर मैच खेले गए। आगे उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 11 नवम्बर को ताऊ देवी लाल मैदान में आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में माननीय राज्यपाल, हरियाणा, प्रो. असीम कुमार घोष मुख्य अतिथि होंगे और विजेता, उपविजेता तथा उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान करेंगे।

विजेता टीम को 1 लाख रुपये, जबकि उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। और स्वश्रेष्ठ प्रर्दशन करने वाले प्रत्येक खिलोडियों को

शुक्रवार का खेले गए मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे

ताऊ देवी लाल ग्राउंड हंगोली ने भोज टिपरा को 149 रनों से हराया।

गुरजीत गुर्जर - 112 रन (31 गेंद), 11 छक्के, 10 चौके - प्लेयर ऑफ द मैच

## कालका में देशभक्ति के भाव से मनाई गई राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' की 150वीं वर्षगांठ

हिन्द जनपथ
**पंचकूला (ब्यूरो)**। कालका की विधायिका श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजकीय माडल सीनीयर सैकेंडरी स्कूल कालका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कहा कि "वंदे मातरम" के गायन से हृदय में देशप्रेम की ज्योति प्रज्वलित होती है।

कार्यक्रम में विधायक ने मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह दिन उस भावनात्मक यात्रा का प्रतीक है जिसने भारत माता को "वंदे मातरम" के माध्यम से हमारी आत्मा से जोड़ा। आज जब हम इस गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने का पावन पर्व मना रहे हैं, तो हम केवल एक रचना का नहीं, बल्कि एक संस्कृति, एक चेतना और एक संकल्प का उत्सव मना रहे हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने एक साथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाकर वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर एसडीएम कालका संयम गर्ग, तहसीलदार विवेक गोयल, बीडीपीओ विनय प्रताप सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

## एमसीएम प्रांगण में वंदे मातरम की गूँज

### पीयू यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल के विजेता भी सम्मानित

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार, इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम का एक विशेष गायन आयोजित किया। संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत इस भावपूर्ण प्रस्तुति ने वर्ष भर चलने वाले वंदे मातरम उत्सव की शुरुआत की। स्टाफ और छात्राओं ने गर्व और देशभक्ति की गहरी भावना के साथ इस गायन में भाग लिया, जिससे यह सामूहिक राष्ट्रीय श्रद्धा का क्षण बन गया।

एक अन्य कार्यक्रम में, कॉलेज ने 66वें पंजाब विश्वविद्यालय के यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल केके विजेताओं को सम्मानित किया। अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, कॉलेज चंडीगढ़ ज़ोन में गर्ल्स कॉलेजों में प्रथम और ओवर आल द्वितीय रनर-अप रहा। कॉलेज ने कविता पाठ, बाग कढ़ाई, वाद-विवाद, मुहावरा वार्ता, निबंध लेखन, प्रांदा बनाना, पोस्टर बनाना, गीत और भारतीय ऑर्केस्ट्रा (व्यक्तिगत) में प्रथम स्थान प्राप्त किया; माइम, गिद्दा, लुड्डी, फुलकारी कढ़ाई, भाषण, शास्त्रीय गायन, भांड (व्यक्तिगत) और हस्तलेखन (अंग्रेजी) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया; और नाटक, नाटकीयता, क्ले मॉडलिंग, मिट्टी के बर्तन, पीढ़ी बनाना, स्किट, भांड, क्रोशिया, भारतीय ऑर्केस्ट्रा, कहानी लेखन और गैर-ताल वाद्य यंत्रों में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यवाहक प्रधानाचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी और शिक्षा, कला और संस्कृति में उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने हितधारकों को हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों और विरासत को संजोने के लिए भी प्रेरित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ऐसे उत्सव और उपलब्धियाँ राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में एकता, रचनात्मकता और गौरव की भावना को मज़बूत करती हैं।

## शहरी क्षेत्र में इजी मोड ऑफ ट्रेवलिंग प्रदान करना सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य : मनोहर लाल

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। केंद्रीय आवासन, शहरी एवं ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में इजी मोड ऑफ ट्रेवलिंग थीम के साथ सुगमता बनाए रखने के लिए बेहतर यातायात व्यवस्था व सेवाएं प्रदान करना है। इस सम्मेलन में नीतिगत आधार पर आए सुझावों के साथ शहरी क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए जन सेवाएं प्रदान करने की दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम में आयोजित तीन दिवसीय 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ करने उपरान्त सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने परिसर में लगी शहरी विकास और गतिशीलता को दर्शाती विकासात्मक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने उपरांत अवलोकन भी किया।

**शहरी विकास पर केंद्रित नई योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु हुई घोषणाएं :**

श्री मनोहर लाल ने अपने मंत्रालय के माध्यम से आमजन की सुविधा व बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के उद्देश्य पर केंद्रित तीन बड़ी घोषणाएं करते हुए कहा कि इनके शुरू होने से विकास की नई शुरुआत देखने को मिलेगी। उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड-डीएमआईएल की स्थापना की जाएगी जिसके तहत भारत के अलावा अन्य देशों के लिए यह एजेंसी मेट्रो के विस्तारीकरण की दिशा में काम करेंगी। वहीं मास रेपिड ट्रांसिट सिस्टम विकसित किया जाएगा जिसके लिए डीएमआरसी सहयोगी रहेंगी। इस सिस्टम से मेट्रो का बेहतर ढंग से एक दूसरे से जुड़ाव होगा और सुरक्षा मानकों व साइबर सिक्योरिटी सिस्टम के साथ आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधाएं व सेवाएं कार्य करेंगी। मेट्रो सेवा में गुणवत्तापरक सुधार लाने व नए प्रयोग करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का गठन शहरी मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। इसके गठन से तीव्र गति से केपेसिटी बिल्डिंग का काम होगा और सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के साथ यह केंद्र मेट्रो सेवा में नवाचार पद्धति के साथ नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में अनेक बड़े कन्वेंशन सेंटर हैं किंतु बड़े शहरों में शामिल गुरुग्राम में भी कन्वेंशन सेंटर की जरूरत है, ऐसे में वे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से विचार विमर्श करते हुए यहां भी अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण कन्वेंशन सेंटर बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

### अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ रहा भारत

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रहा है। ट्रांसपोर्ट नेटवर्किंग को जोड़ते हुए देश मेक इन इंडिया के सिद्धांत के साथ 2047 को विकसित राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाने में अग्रणी रहेगा। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में आवश्यकता अनुरूप सकारात्मक परिवर्तन किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र में यातायात पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने बताया कि भारत आज मेट्रो सेवा प्रदान करने में दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं और आने वाले करीब 3 साल में हम अमेरिका को पीछे छोडकर अग्रणी देशों में शामिल होंगे। नई तकनीक के साथ जनसुविधाएं प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार कार्य कर रही है और इस प्रकार के सम्मेलन के माध्यम से विशेषाज्ञों के सहयोग से नवाचार पद्धति पर हम काम करेंगे।